RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 272 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 19 जुलाई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

हरेली तिहार से शूरू होगी 4 रूपए प्रति लीटर से गौठानों में गौ-मूत्र की खरीदी

राज्य में पशुपालकों की आय और जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक और पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर राज्य के गौठानों में 28 जुलाई हरेली तिहार से गौ-मूत्र की खरीदी की शुरूआत होगी। प्रथम चरण में प्रत्येक जिले के दो चयनित स्वावलंबी गौठानों में गौ-मूत्र की खरीदी की जाएगी। गौठान प्रबंध समिति पशुपालक से गौ-मूत्र क्रय करने हेतु स्थानीय स्तर पर दर निर्धारित कर सकेगी। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में गौ-मूत्र क्रय के लिए न्यूनतम राशि 4 रूपए प्रति लीटर प्रस्तावित की गई है। क्रय गौ-मूत्र से महिला स्व-सहायता समूह की मदद से जीवामृत एवं कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाएंगे। चयनित समूहों को पशु चिकित्सा विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से विधिवत प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

गोधन न्याय मिशन के प्रबंध संचालक डॉ. अय्याज तम्बोली ने सभी कलेक्टरों को गौठानों में गौ-मूत्र की खरीदी को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि गौ-मूत्र का क्रय गौठान प्रबंधन समिति स्वयं के बैंक खातों में उपलब्ध गोधन न्याय योजना अंतर्गत प्राप्तियां, चक्रीय निधि ब्याज की राशि से करेगी। उन्होंने कलेक्टरों को अपने-अपने जिले के दो स्वावलंबी गौठानों, स्व-सहायता समूह का चयन करने,

गौठान प्रबंध समिति तथा स्व-सहायता समूह के सदस्यों को प्रशिक्षण देने के साथ ही गौ-मूत्र परीक्षण संबंधी किट एवं उत्पाद भण्डारण हेतु आवश्यक व्यवस्था करने को कहा है। कलेक्टरों को चयनित गौठान एवं स्व-सहायता समूह की सूची ई-मेल dirvet.cg@gmail.com पर शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा गया है।

गौरतलब है कि दो साल पहले 20 जुलाई 2020 को राज्य में हरेली पर्व के दिन से ही गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में गोबर की खरीदी की शुरूआत हुई थी। गोबर से गौठानों में अब तक 20 लाख क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर प्लस कम्पोस्ट महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित किए जा चुके हैं, जिसके चलते राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा मिला है। गौ-मूत्र की खरीदी राज्य में जैविक खेती के प्रयासों को और आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगी। इसी को ध्यान में रखकर राज्य में गौ-मूत्र की खरीदी शुरू की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी। खाद्यान्न की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों में 150 करोड़ से अधिक की गोबर खरीदी की गई है, जिसका सीधा फायदा ग्रामीण पशुपालकों को मिला है। क्रय गोबर से वर्मी खाद का निर्माण एवं विक्रय से महिला स्व-सहायता समूहों और गौठान समितियों को 143 करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है।

खास खबर

नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आई आदिवासी महिला, हुई बुरी तरह घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट से एक आदिवासी महिला घायल हो गई। पुलिस अधीक्षक अंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि घटना मंगलवार सुबह घटी। जब केतुलनार गांव की रहने वाली सोमली हेमला गांव के पास जंगल में थी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया, महिला ने अनजाने में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी पर पैर रख दिया। विस्फोट के कारण वह बुरी तरह से घायल हो गई। इसके बाद उन्हें नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, नक्सली सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए इस तरह आईईडी का इस्तेमाल करते हैं। पहले भी आम नागरिकों के आईईडी की चपेट में आने के मामले सामने आ चुके हैं।

नीट छात्राओं के इनरवियर उतरवाने के मामले में केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल पुलिस ने मंगलवार को नीट परीक्षा में छात्राओं से अंडरगारमेंट्स उतरवाने के कथित मामले में केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि 17 जुलाई, 2022 को देशभर में मेडिकल के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा यानि नीट यूजी का आयोजन किया गया है। 18 लाख से अधिक छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया था। हालांकि, परीक्षा को लेकर विवाद तब सामने आया जब यह बात सामने आई कि केरल के कोल्लम में परीक्षा में शामिल होने वाली युवतियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति देने के लिए अंडरगारमेंट्स हटाने के लिए कहा गया था।

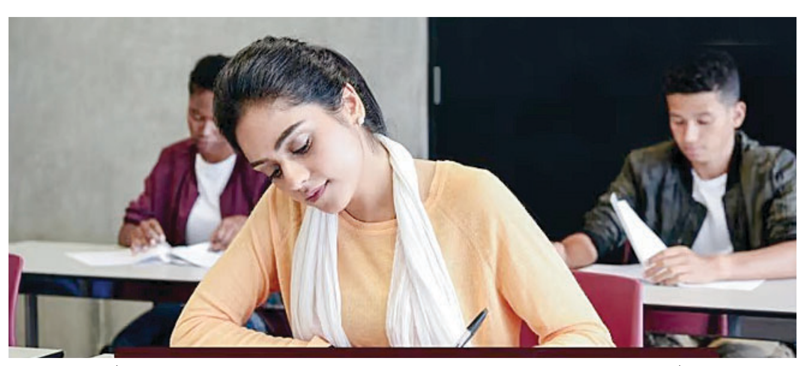

कार्रवाई की मांग

इस घटना की निंदा करते हुए विभिन्न युवा संगठनों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी घटना की जांच के आदेश दिए हैं। आयोग ने कोल्लम ग्रामीण एसपी को 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया पर भी लोग इस मामले पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग कर रहा हैं।

परीक्षा संचालकों ने कहा

जानकारी के अनुसार परीक्षा केंद्र संचालकों की ओर से कहा जा रहा है कि बाहरी जांच एजेंसी द्वारा परीक्षा देने पहुंची छात्राओं की ब्रा उतरवाई गई, इसके पीछे का कारण ब्रा का हुक को बताया जा रहा है। ये हुक जो की मेटल के बने होते हैं और मेटल डिटेक्टर के संपर्क में आने पर बीप करने लगते हैं। इसलिए ऐसा किया गया होगा।

केंद्र सरकार से मांग

केरल के उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू ने इस मामले पर निराशा जाहिर करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर इस घटना में शामिल एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि एजेंसी जिसे परीक्षा का संचालन सौंपा गया है, ने कथित तौर पर केवल खुद को ज्ञात कारणों के लिए परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से पहले लड़की प्रतिभागियों को कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया। इस घटना ने छात्राओं के मनोबल को प्रभावित किया है। इससे उनकी परीक्षा भी प्रभावित हुई है। मंत्री ने कहा कि हम एक एजेंसी की ओर से इस तरह के अमानवीय व्यवहार का कड़ा विरोध करते हैं, जिसे केवल निष्पक्ष तरीके से परीक्षा आयोजित करने का काम सौंपा गया है।

कैसे सामने आया मामला?

यह मामला सोमवार को तब सामने आया जब एक 17 वर्षीय छात्रा के पिता ने मीडिया को बताया कि उनकी बेटी पहली बार नीट पीजी परीक्षा में शामिल होने गई थी। 3 घंटे तक उसे बिना इनरवियर के बैठना पड़ा और अब तक वह उस दर्दनाक अनुभव से बाहर नहीं आई है। छात्रा के पिता ने बताया कि उनकी बेटी ने नीट बुलेटिन में उल्लिखित ड्रेस कोड के अनुसार कपड़े पहने थे, जिसमें इनरवियर के बारे में कुछ नहीं कहा गया था। खबरों के अनुसार यह घटना एक नहीं बल्कि सैकड़ों छात्राओं के साथ हुई है।

शिकायत गलत मंशा से दर्ज कराई गई

मामले पर कोल्लम में नीट परीक्षा केंद्र अधीक्षक ने कहा है कि शिकायत मनगढ़ंत है और गलत मंशा से दर्ज कराई गई है। पूरे विवाद पर परीक्षा की आयोजक राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी/ह्रझ्र का भी बयान सामने आ गया है। एनटीए ने कहा कि केंद्र अधीक्षक और स्वतंत्र पर्यवेक्षक के साथ-साथ कोल्लम जिले के शहर समन्वयक ने कहा है कि उन्हें नीट परीक्षा केंद्र (मार थोमा सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोल्लम) में ऐसी कोई घटना की सूचना नहीं प्राप्त की है। जहां छात्रा ने परीक्षा दी थी। एनटीए ने आगे कहा कि परीक्षा के दौरान या उसके तुरंत बाद भी किसी की ओर से ऐसी कोई शिकायत नहीं आई थी। एनटीए ने बताया कि नीट के लिए एनटीए के ड्रेस कोड की बात है तो यह उम्मीदवार के माता-पिता द्वारा आरोपित ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देता है।

पुलिस ने क्या कहा?

केरल पुलिस ने बताया है कि कोल्लम जिले में हुई घटना में आईपीसी की धारा 354 और धारा 509 के तहत केस दर्ज किया गया है। रविवार को कोल्लम के अयूर में एक निजी शिक्षण संस्थान में आयोजित नीट परीक्षा में बैठने के दौरान अपमानजनक अनुभव का सामना करने वाली एक लड़की की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला- 'अग्निपथ' से जुड़ी सभी याचिकाएं दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा लाई गई सेना की नई भर्ती योजना 'अग्निपथ' को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अग्निपथ योजना से जुड़ी सभी याचिकाओं को दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने केरल, पंजाब और हरियाणा, पटना और उत्तराखंड के हाईकोर्ट से भी अग्निपथ के खिलाफ सभी जनहित याचिकाओं को दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित करने के लिए कहा है।

अग्निपथ योजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में तीन याचिकाएं दाखिल की गई थीं। जिनमें इस योजना पर फिलहाल रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने ये भी मांग की थी कि जो सेना की नौकरी पाने की प्रक्रिया में हैं उन पर ये योजना लागू नहीं की जानी चाहिए।

केंद्र ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट अर्जी दाखिल की

केंद्र ने 21 जून को सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट अर्जी दाखिल कर रक्षा बलों के लिए 'अग्निपथ' भर्ती योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सरकार का पक्ष भी सुनने की मांग की है। इसमें अपील की गई है कि उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश ना दिया जाए। बता दें कि एक वादी द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए एक कैविएट आवेदन दायर किया जाता है कि उसका पक्ष सुने बिना उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया जाए। केंद्र की अधिसूचना को रद्द करने की मांग करने वाली जनहित याचिका अधिवक्ता एमएल शर्मा ने दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि यह योजना अवैध और असंवैधानिक है।

अग्निपथ योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया जारी

अग्निपथ योजना के तहत थलसेना में भर्ती प्रक्रिया जहां 1 जुलाई से शुरू हो गई वहीं वायुसेना में इससे पहले 24 जून जबकि नौसेना में 25 जून से शुरू हो गई। इस भर्ती में 17.5 वर्ष से 21 वर्ष तक के उम्मीदवार शामिल हो सकेंगे। हालांकि, इस साल के लिए आयु सीमा बढ़ाकर 23 साल कर दी गई है। यह भर्ती चार सालों के लिए होगी। इसके बाद परफॉर्मेंस के आधार पर 25 फीसदी कर्मियों को वापस से रेगुलर कैडर के लिए नामांकित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगा कोरोना का संक्रमण, 24 घंटे में 465 नए मरीज मिले, एक्टिव केस 2834

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को प्रदेश में 465 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 2834 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 526 दुर्ग व 519 एक्टिव केस रायपुर जिले में हैं। रायपुर में कोरोना से एक मरीज की मौत भी हुई है। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य की सीमाओं और सभी एयरपोर्ट पर कोविड जांच अनिवार्य किया है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने, वैक्सीनेशन करवाएं और बूस्टर डोज जरूर लगवाएं।

15,528 नए कोरोना संक्रमित मिले, सक्रिय केस बढ़कर 1.43 लाख से ज्यादा हुए

देश में मंगलवार को 15,528 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही सक्रिय केस बढ़कर 1,43,654 हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह अपडेट आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में 25 लोगों ने महामारी के आगे हार मान ली। देश में पांच दिनों से नए मामलों में गिरावट आ रही है। मंगलवार को जहां 15,528 नए केस मिले, जबकि सोमवार को 16,935 नए केस मिले थे। इसके पहले पिछले चार दिनों से लगातार 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे थे।

गरीब आदिवासियों को तो ये दिनचर्या है साहब

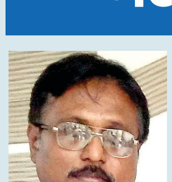

दीपक रंजन दास

आज भले ही चौड़ी-चमचमाती सड़कें पहाड़ों और जंगलों का सीना चीरकर दौड़ती दिखाई दें पर इनका आदिवासियों के विकास से कोई लेना देना नहीं है। हमने मान लिया है कि वो पिछड़े हैं। पढ़े-लिखे नहीं हैं। पैंट-शर्ट-जूता नहीं पहनते हैं। उनके पास ब्रांडेड कपड़े नहीं हैं। अस्पतालों में इलाज कराने की बजाय वो बैगा के पास जाना पसंद करते हैं। वह विदेशी फ्रूट्स नहीं खाता। उसके पास पीने के लिए महंगा शेक और आरओ का साफपानी भी नहीं है। कभी नक्सली तो कभी पुलिस वाले उसे पीटते हैं। जंगली जानवरों का भय भी बना रहता है। फिर भी वह जीता है। न केवल जीता है बल्कि उसकी जिंदादिली और जीवटता भी देखने योग्य है। यही उनका जीवन और यही उनकी ताकत है। अगर आपके पास एक शव हो और कोई वाहन उपलब्ध न हो तो आप क्या करेंगे? क्या इतना साहस है कि उसे कंधे पर लेकर 20-25 किलोमीटर दूर घर तक लेकर चले जाएं? नहीं ना? तो फिर आदिवासियों को कमजोर कहना बंद करें। वो आपके हिसाब से कुपोषित हो सकते हैं। सिकल सेल के मरीज भी हो सकते हैं और रक्ताल्पता के शिकार भी। पर हौसला इतना है कि जब चाहें अपना कोर स्ट्रेंथ जगा लेते हैं। तभी तो दंतेवाड़ा का यह परिवार अपने बुजुर्ग के शव को खटिया में डालकर 25 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकल पड़ता है। चार जने के इस परिवार में एक सदस्य महिला भी है। पर 25 किलोमीटर पैदल चलने के लिए वह भी तैयार है। यह कोई पहला मामला नहीं है जब किसी ने अपने परिजन के शव को कांधे पर ढोया हो। कभी एक पिता अपनी किशोरी बेटी की लाश को कंधे पर लादकर गांव की तरफ चल पड़ता है तो कभी एक पति अपनी पत्नी के शव को कंधे पर रख कर पैदल रवाना हो जाता है। गूगल-बाबा से पूछें तो वह आपको ऐसी सैकड़ों तस्वीरें दिखा देगा जिसमें शव को इस तरह से ढोते लोग दिखाई दे जाएंगे। जब जीवित लोगों के लिए ही सुविधाएं नाकाफी हों तो मुर्दों की चिंता कौन करे? विशाल सघन आबादी वाले इस देश में आज भी ढेर सारे मरीज केवल इसलिए अस्पताल पहुंचने से पहले ही मर जाते हैं क्योंकि उन्हें अस्पताल पहुंचाने के पर्याप्त उपाय नहीं किये जा सके हैं। छत्तीसगढ़ की ही बात करें तो यहां 102 और 108 के लगभग 700 एम्बुलेंस हैं। इनमें से कुछ में ही लाइफसपोर्ट सिस्टम है। इसके अलावा 2300 निजी एम्बुलेंस हैं जिन्हें एम्बुलेंस कोटे में खरीदा तो गया है पर उनमें सुविधाएं नहीं हैं। जब सुविधा के अभाव में लोग मर रहे हों तब मर चुकों की चिंता कौन करे? उन्हें उनके हाल पर छोड़ देना बेहतर।

संपादकीय

ताकि चले संसद

मानसून सत्र के पहले ही दिन संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही के स्थगित होते ही साफसंकेत मिल गया कि आने वाले दिनों में संसद में हंगामा तय है। सोमवार से शुरू हुआ संसद का मानसून सत्र मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। ध्यान रहे, सत्र में कुल 17 कार्य दिवस होंगे और यह 12 अगस्त तक चलेगा। करीब 32 विधेयक रखे जाएंगे, उनमें से कितने पारित हो सकेंगे, यह बताना मुश्किल है। अगर केवल हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित हुई, तो फिर कामकाज कैसे होगा? संसद सत्र से पहले ही यह तय हो गया था कि महंगाई, ईंधन की कीमतें, अग्निपथ योजना, बेरोजगारी और डॉलर के मुकाबले रुपये के गिरने जैसे मुद्दों को उठाया जाएगा। अब इनमें जीएसटी का मामला भी प्रमुखता से जुड़ गया है। विपक्ष के पास पर्याप्त मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेर सकता है। हालांकि, सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान भी हो रहा था, पर मतदान के साथ-साथ कार्यवाही भी चल सकती थी। महंगाई बढ़ी है, तो संसद को चलाना भी महंगा हुआ है। सांसदों को सत्र की शुरुआत में ही देखना चाहिए कि संसद को चलाने में प्रतिदिन कितना खर्च आता है?

> “फिलहाल महंगाई रोकने के लिए भी टैक्स कम रखना जरूरी है। बहरहाल, महंगाई अगर बढ़ी है, तो यह अर्थव्यवस्था का विषय है, राजनीति का नहीं, इसलिए तमाम पार्टियों को कीमतों के सच को स्वीकार करना चाहिए। अगर हम इस सच को स्वीकार करेंगे, तभी समाधान पर चिंतन कर पाएंगे। तब हम न हंगामा करेंगे और न हंगामा होने देंगे। सरकार के लिए राजस्व बढ़ाना या जुटाना कितना जरूरी है, यह भी लोगों को ठीक से पता होना चाहिए।

अनेक नेताओं और हस्तियों को श्रद्धांजलि देने और नए सदस्यों को शपथ दिलाने के दौरान भी यह साफ लग रहा था कि सदन को चलाना आसान नहीं होगा। पहले ही दिन आसन के सामने आ जाना और नारेबाजी का संकेत अच्छा नहीं है। जहां तक महंगाई का प्रश्न है, तो विपक्ष महंगाई की समस्या को गंभीरता से उठाता रहा है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी लंबे समय तक विपक्ष में रही है और वह महंगाई के मुद्दे का महत्व बहुत अच्छी तरह से समझती है। महंगाई हमेशा ही सरकारों पर हमले के लिए एक मारक हथियार रही है, अगर इस बार भी इसका उपयोग हुआ है, तो सत्ता पक्ष को जवाब खोजकर रखना चाहिए। आटा, दूध, दही, पनीर, लस्सी, शहद, मटर जैसे अनेक जरूरी उत्पादों पर भी जीएसटी की वसूली शुरू हो चुकी है। एक संदेश यह गया है कि सरकार हरसंभव उत्पाद पर टैक्स लगाकर राजस्व जुटाना चाहती है। जहां एक ओर, सरकार के पास ज्यादा राजस्व का आना जरूरी है, तो वहीं उसे गरीबों या आम लोगों पर पड़ने वाले बोझ को भी देखना चाहिए। जो अर्थशास्त्री सरकार को कमाई के सहज स्रोत बता रहे हैं, उन्हें महंगाई के बारे में भी जरूर सोचना चाहिए। सबसे बड़ी बात यह है कि अपने देश में महंगाई हमेशा ही सरकारों की अलोकप्रियता बढ़ाने का बड़ा कारण रही है।

सस्ते जरूरी उत्पाद सबको चाहिए, ताकि किसी से किसी भी प्रकार की सुविधा न छिने, आम लोगों की थाली में रोटी की गिनती या आकार कम न हो। बच्चों से जुड़े जरूरी उत्पादों, पढ़ाई या मुद्रण से जुड़े उत्पादों, इलाज से जुड़े खर्चों, अक्षय ऊर्जा से जुड़े उत्पादों की कीमतें कम करने के लिए सरकार को हरसंभव यत्न करने चाहिए। ऊर्जा, चिकित्सा, शिक्षा इत्यादि क्षेत्रों में न्यूनतम टैक्स की वसूली से गरीबों को बल मिलेगा। फिलहाल महंगाई रोकने के लिए भी टैक्स कम रखना जरूरी है। बहरहाल, महंगाई अगर बढ़ी है, तो यह अर्थव्यवस्था का विषय है, राजनीति का नहीं, इसलिए तमाम पार्टियों को कीमतों के सच को स्वीकार करना चाहिए। अगर हम इस सच को स्वीकार करेंगे, तभी समाधान पर चिंतन कर पाएंगे। तब हम न हंगामा करेंगे और न हंगामा होने देंगे। सरकार के लिए राजस्व बढ़ाना या जुटाना कितना जरूरी है, यह भी लोगों को ठीक से पता होना चाहिए।

75 साल पर 75 कार्यक्रम! भारत की आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं इसलिए पिछले एक साल से अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। देश में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके बाद के 25 साल को यानी आजादी के सौ साल पूरे होने तक के समय को अमृत काल कहा गया है। सो, चारों तरफ इस बात की होड़ लगी है कि 75 साल पूरे होने के मौके पर क्या ऐसा किया जाए, जिसमें 75 के अंक का इस्तेमाल हो। सिर्फ सरकारी एजेंसियां ही इस होड़ में नहीं शामिल हैं, देश का निजी सेक्टर भी इस होड़ में शामिल हो गया है। अभी पूरे देश में सामानों की खरीद पर 75 फीसदी की छूट का ऐलान होने ही वाला है।

बहरहाल, केंद्र सरकार ने 75 दिन तक वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज फ्री में लगाने का ऐलान किया है। यह सबसे कमाल का काम है। एक साल से ज्यादा समय से देश भर के लोगों को मुफ्त में वैक्सीन लगाई जा रही है। इसका देश भर में प्रचार भी हुआ है और थैंक्यू मोदीजी का अभियान भी चला था। लेकिन अब 18 से 60 साल की उम्र के लोगों के लिए 75 दिन तक बूस्टर डोज फ्री में लगाने का अभियान चल रहा है। शुक्रवार यानी 15 जुलाई से यह अभियान शुरू हो गया। हकीकत यह है कि देश में बूस्टर डोज को लेकर बहुत उत्साह नहीं दिख रहा है। देखते हैं कि 75 दिन के इस अभियान में क्या तेजी आती है।

इसके बाद पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने एक अनोखी पहल की। मंत्रालय ने कहा है कि आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर देश के 75 समुद्र तटों की सफाई कराई जाएगी। सोचें, देश में समुद्र तटों की संख्या हजारों में है और हर जगह सफाई की जरूरत है। लेकिन आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर सिर्फ 75 समुद्र तटों की सफाई होगी। इस विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह हैं। उन्होंने इसमें एक और खास काम किया है। इसकी शुरुआत तीन जुलाई को हुई थी और समापन 17 सितंबर को होगा, जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। उस दिन वैसे अंतरराष्ट्रीय समुद्र तट सफाई दिवस भी मनाया जाता है।

इससे पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2021 में अहमदाबाद में अमृत महोत्सव का आगाज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर अगले 75 हफ्ते देश में हर दिन कोई न कोई कार्यक्रम होगा। उसी समय प्रधानमंत्री ने कहा था कि वे स्कूल-कॉलेजों से आग्रह करेंगे कि वे कानूनी लड़ाई की 75 घटनाएं तलाशें। उन्होंने 75 आइडिया, 75 घटनाएं, 75 उपलब्धियां, 75 संकल्प आदि की भी बात कही थी। इस आधार पर देश भर में 75 को केंद्र में रख कर अभियान चल रहा है। कहीं 75 कविताएं लिखी जा रही हैं तो कहीं 75 निबंध लिखवाए जा रहे हैं।

> “ प्रधानमंत्री मोदी उसके स्टार प्रचारक हैं और तुरुप का इक्का भी। भाषा भी एक मसला है। लिहाजा पार्टी संसदीय चुनाव में बेशक अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करे, लेकिन विधानसभा चुनावों में परिस्थितियां बिल्कुल अलग होंगी। विधानसभा चुनाव में उसे क्षेत्रीय दलों के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। लिहाजा वह नई राजनीतिक जगह बनाकर अपने प्रदर्शन को सुधारने के प्रयास कर रही है।

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

दक्षिण में अपना विस्तार खोजती भाजपा

राष्ट्रपति चुनाव के मतदान में दक्षिण भारत के ज्यादातर वोट भाजपा की प्रत्याशी के खिलाफ ही गए हैं, तो आश्चर्य नहीं। भाजपा दक्षिण में पांव पसारने के लिए लगातार सक्रिय है, हैदराबाद में हाल ही में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक इसी कोशिश की एक कड़ी थी। उत्तर, पूर्व और पश्चिमी भारत में अपूर्व सफलता के बाद भाजपा पिछले कुछ समय से दक्षिण में दाखिल होने के हरसंभव प्रयास कर रही है, हालांकि उसे इसमें सफलता बहुत कम मिली है। साल 2024 के संसदीय चुनावों में वह इस परिपाटी को बदलने की कोशिश में है, लेकिन क्या उसे सफलता मिलेगी?

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में दक्षिण के पांच राज्यों और एक केंद्रशासित क्षेत्र की कुल 130 सीटों में से भाजपा 21 सीटें जीतने में सफल रही थी। इसका अर्थ है कि उसकी जीत का प्रतिशत 16 रहा। 2019 में 22 प्रतिशत, यानी 29 सीटें जीतकर उसने अपनी ताकत बढ़ाई। अब उसका मकसद 2024 में अधिक से अधिक सीटें जीतने व राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी अपनी छाप छोड़ने का है। हालांकि, पिछले दो संसदीय चुनावों में देश के बाकी हिस्सों में भारी बहुमत हासिल करने के बावजूद दक्षिण में भाजपा सफल होने के लिए जी-जान लगा रही है, जिसकी दो मुख्य वजह है। पहली, वह इस धारणा को मिटाना चाहती है कि वह उत्तर भारतीय या 'हिंदी पट्टी' की पार्टी है। और दूसरी, रणनीतिक रूप से दक्षिण की जीत उसे एक ऐसी सुरक्षा देगी, जिससे वह उत्तर भारत के प्रदर्शन में आई किसी गिरावट के अंतर को पाट सके।

इन पांच दक्षिणी राज्यों में से कर्नाटक में भाजपा पहले से मौजूद है। मगर वह सफलता मोदी युग से पहले की है। उस वक्त भाजपा के सबसे बड़े नेता येदियुरप्पा राज्य में बदलाव लाने में सफल रहे थे- शुरुआत में 2007 में जनता दल (एस) के साथ गठजोड़ करके और बाद में 2008 में अपने दम पर वह सत्ता में आए थे। येदियुरप्पा को मतदाताओं को सहानुभूति मिली थी, क्योंकि उन्हें जद (एस) की राजनीति का शिकार माना गया था। उन्हें वादे के मुताबिक आधे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री पद से वंचित कर दिया गया था। मगर बाद में खनन घोटाले में आरोपित होने पर उनको मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा। चूंकि भाजपा उनके बचाव में नहीं उतरी, इसलिए उन्होंने पार्टी से नाता तोड़ लिया। उन्होंने अपनी अलग पार्टी बनाई, लेकिन 2014 में वह फिर से भाजपा में शामिल हो गए, जिससे भाजपा को फिर से राज्य में अपनी धमक दिखाने में मदद मिली।

साल 2018 के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ येदियुरप्पा के प्रचार-प्रसार करने के बावजूद भाजपा अपने दम पर बहुमत नहीं पा सकी,पर दलबदल के बाद येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बने व विश्वास मत हासिल करने में सफल रहे। हालांकि, बाद में उनकी जगह पर बसवराज

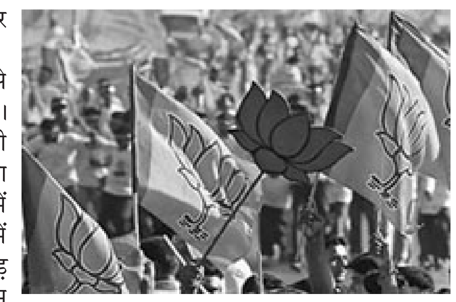

बोम्मई को मुख्यमंत्री बना दिया गया, जिनके नेतृत्व में ही पार्टी अगले साल चुनाव में उतर सकती है। नए मुख्यमंत्री के कार्यकाल में हिजाब, हलाल और अजान को लेकर कई विवाद पैदा हुए, जिनमें मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया गया। मगर उसकी जीत इतनी आसान नहीं लगती है। उसे कांग्रेस का मजबूत प्रतिरोध झेलना पड़ सकता है।

साल 2019 में जिन 29 संसदीय सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी, उनमें से अधिकांश (25 सीटें) कर्नाटक की हैं। यही कारण है कि उसके लिए यह एक अहम राज्य है। चूंकि विधानसभा चुनावों के एक साल के भीतर संसदीय चुनाव होंगे, इसलिए भाजपा 2023 के चुनाव में बहुमत पाने की इच्छुक है। इससे 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे अपने पक्ष में माहौल बनाने में मदद मिलेगी। भाजपा ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का आयोजन तेलंगाना में किया, क्योंकि राज्य में दो उप-चुनावों, दुब्बाक व हुजूराबाद में जीत और हैदराबाद निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद उसे यहां अपने लिए उम्मीदें दिख रही हैं। वह ध्रुवीकरण के अलावा कई अन्य मुद्दों पर ध्यान दे रही है, जिनमें प्रमुख हैं- वंशवादी राजनीति और 'डबल इंजन सरकार' के जरिये बेहतर शासन का आह्वान, यानी केंद्र और राज्य में अगर एक ही पार्टी की सरकार बनती है, तो विकास कहीं अधिक तेजी से होगा।

हालांकि, सच यह भी है कि भारत में क्षत्रप आमतौर पर पारिवारवाद से उपजे नेता रहे हैं, और दक्षिण इसका कतई अपवाद नहीं है। तेलंगाना में टीआरएस, आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी, कर्नाटक में जद (एस), तमिलनाडु में द्रमुक आदि सभी दलों का नेतृत्व वंशवादी कर रहे हैं। केरल में वामपंथी पार्टियों के कारण राजनीति कुछ अलग है, लेकिन वहां भी दूसरी और तीसरी पीढ़ी के कई राजनेता हैं। मगर भाजपा इस पर ध्यान नहीं देती, क्योंकि उसके यहां भी ऐसे राजनेता हैं। हालांकि, यह बहस का एक अन्य मुद्दा है कि परिवारवाद राज्य के विकास में बाधक है? रही बात सांप्रदायिकता की, तो उत्तर की तुलना में दक्षिण ध्रुवीकरण के लिहाज से उतना अस्थिर नहीं रहा है। पर धार्मिक दरारें यहा भी हैं, और भाजपा सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मसलों को उठाकर इसका लाभ बटोरने की कोशिश कर रही है। जैसे, कर्नाटक में हिजाब और हलाल मीट, हैदराबाद में निजामों के शासन, केरल में लव जेहाद, तमिलनाडु में गणेश चतुर्थी एवं मंदिरों पर राज्य के नियंत्रण सहित तमाम विवाद पैदा हुए।

अगला मुद्दा शासन है। परंपरागत रूप से सभी दक्षिणी राज्य उत्तर की तुलना में बेहतर शासित हैं। ऐसे में, बेहतर प्रशासन देने का उसका वादा कहां तक टिकेगा, यह सबसे अहम सवाल है। इतना ही नहीं, सभी दक्षिणी राज्यों में बेहतर सामाजिक संकेतक हैं और स्वास्थ्य व शिक्षा में उनकी उपलब्धियां उत्तरी राज्यों से अधिक हैं। लिहाजा भाजपा के लिए चुनौती यह है कि वह मतदाताओं को कैसे यकीन दिलाए कि क्षेत्रीय दलों की तुलना में वह अच्छा शासन देगी?

फिर, भाजपा के पास दक्षिण में कोई बड़ा नेता भी नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी उसके स्टार प्रचारक हैं और तुरुप का इक्का भी। भाषा भी एक मसला है। लिहाजा पार्टी संसदीय चुनाव में बेशक अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करे, लेकिन विधानसभा चुनावों में परिस्थितियां बिल्कुल अलग होंगी। विधानसभा चुनाव में उसे क्षेत्रीय दलों के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। लिहाजा वह नई राजनीतिक जगह बनाकर अपने प्रदर्शन को सुधारने के प्रयास कर रही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अनिल प्रकाश जोशी, पर्यावरणविद्

बढ़ती आबादी के लिए भोजन, पानी का कैसे होगा इंतजाम

किसी भी देश के विकास का आकलन उसकी गरीबी और गरीबों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। दुनिया ने करीब 200 साल में विकास के कई कीर्तिमान गढ़े हैं। दूसरी तरफ विश्व की बड़ी आबादी के पेट व पानी के सवालों को देखें, तो विकास की बात को लेकर हम ज्यादा आश्वस्त नहीं हो सकते। क्या हम सभी को पीने का साफ पानी दे पा रहे हैं? जरूरी सुविधाओं की बात छोड़ दें, तो क्या हम सबको पेट भर खाना दे पा रहे हैं?

बदलती या बिगड़ती परिस्थितियों का बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसे विषय हैं और उनके कुप्रभावों में पहली बड़ी लात पेट पर ही पड़ेगी। मतलब खाद्य सुरक्षा ही बड़े खतरे में है। वर्ष 2050 तक जो भी आबादी होगी, उसके लिए आज की तुलना में 70 प्रतिशत ज्यादा भोजन की जरूरत पड़ेगी। वहीं अनेक वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया की खेती की पैदावार में 20 प्रतिशत की कमी आ सकती है और आज ही के हालात में बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग दुनिया में हैं, जिन्हें पेट भर भोजन भी नहीं मिल पाता है। तब यह समस्या निश्चित रूप से आने वाले समय में एक बड़ी चुनौती बन सकती है। अगर दुनिया भर में करीब 81.10 करोड़ लोग भूखे सोते हैं, तो यह खाद्य सुरक्षा पर अभी ही एक बड़ा सवाल है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 के बाद भूख की समस्या बढ़ी है। करीब 25,000 लोग प्रतिदिन भूख जनित कारणों से काल के गाल में समा जाते हैं। इसमें बच्चों की संख्या ज्यादा है, प्रतिदिन करीब 10,000 बच्चों की भूख जनित कारणों से मौत होती है। भारत में यह माना जाता है कि प्रतिदिन 3,000 बच्चों की मृत्यु सिर्फ भूख जनित कारणों से होती है। अपने देश में ही करीब 20 करोड़ लोग एक समय बिना भोजन सोते हैं। यह आंकड़ा मात्र अपने देश का नहीं है। दुनिया की कहानी है कि करीब 45 देश ऐसे हैं, जहां पांच करोड़ लोग किसी न किसी तरह से भोजन के अभाव में जीते हैं। विडंबना यह है कि 2.5 अरब टन भोजन दुनिया में खराब हो जाता है। यह भी एक तथ्य है कि भारत में करीब 30 प्रतिशत अनाज प्रतिवर्ष बर्बाद हो जाता है, जिसकी कीमत करीब 92 हजार करोड़ रुपये के आसपास है। ऐसे में, हमारी चिंताएं कई स्तर पर बढ़ जाती हैं। आने वाले समय में 2050 तक वे कौन सी रणनीतियां होंगी, जिनके दम पर हम बड़ी जनसंख्या को कम से कम भोजन दे पाएंगे?

इसी तरह मवेशियों के लिए भी साल 2050 में करीब 70 प्रतिशत अधिक भोजन की जरूरत होगी। पहले ही चारा व लकड़ी के उत्पादन पर भी जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल असर पड़ चुका है। इतना ही नहीं, अब घटते वनों का असर खासतौर से बाढ़ और सूखे पर पड़ा है। अजीब बात यह भी है और सच भी कि इन दोनों के कारण एक और समस्या हमें घेर रही है, और वह यह कि हमारा जीवन एवं भोजन अब जहरीले हो चुके हैं। बाढ़ से बीमारियां भी आती हैं और सूखे व पानी की कमी से जल प्रदूषित हो जाता है, जिसे हम खेती बाड़ी व पीने में प्रयोग में लाते हैं। यॉर्क यूनिवर्सिटी, कनाडा से आई एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में रसायन, औद्योगिक कचरे या कीटनाशक का खेती में मिल जाना घातक सिद्ध हुआ है और इसी तरह अन्य कई तरह से भोजन जहरीला हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, इस वजह से करीब 4.20 लाख लोग प्रतिवर्ष अपना जीवन खो रहे हैं। अब आप देखिए बंदगोभी जैसी सब्जी को ई-कोलाई बैक्टीरिया तेजी से घेर रहा है और यह वह बैक्टीरिया है, जो ढेर सारी व्याधियों को जन्म देता है।

इस तरह हमने अपने आपको कई संकटों में डाल दिया है। यह भी सच है कि अगर आज यह सब कुछ त्याग भी दें, तो भी शायद चुनौतियां आने वाले 50 वर्ष तक ऐसी ही बनी रहेंगी। इसका कारण है कि हमने जिस तरह से पृथ्वी और प्रकृति को नकारा है, ये आने वाले समय में हमें जल्दी क्षमा नहीं करने वाली। हमें एक बड़े बदलाव की जरूरत है कि जहां हम एक तरफ बढ़ती आबादी पर तेजी से नियंत्रण करें। वहीं दूसरी तरफ जीवन की जरूरतों को सीमित रखें और संकट के प्रति गंभीर हों। सुधार की शुरुआत हमें कृषि या खेती से करनी चाहिए, हमारे पास समय कम है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

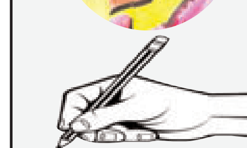

यू रूह में कैसी हलचल, कौन देता आवाजें? समझ नहीं पाती, आती हैं ये आवाजें कहां से?

-अंजली जैन

7024460938

हरिशंकर व्यास

संसद पर यह राजचिन्ह रहे मोदी राज का अर्थ बताएगा!

वक्त अपने आप मोदी राज के चिन्ह छोड़ता हुआ है। इसमें मील का पत्थर नई संसद बिल्डिंग पर मुंह फाड़े, दांत दिखाता सिंह चिन्ह है! मोदी सरकार, भाजपा और भक्त चाहे जितनी कोशिश करके साबित करें कि नीचे से देखेंगे तो मुंह फाड़े, दांत दिखते मिलेगें। मगर है सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ के सिंहों की अनुकृति। भारत चिन्ह। मगर भक्तों को मुंह फाड़े, दांत दिखाता सिंह भले आक्रामक, आदमखोर नहीं समझ आए लेकिन दुनिया अंधी नहीं है। दुनिया की आंखें वहीं मानेंगी जो दिखता हुआ है। नरेंद्र मोदी के राज की कुल विशेषता ही यह है कि वे और उनके भक्त इलहाम में जीते है जबकि वास्तविकताएं अलग होती है। इसलिए महाकाल का असलियत के चिन्ह छोड़ना मोदी राज की नियति है।

वे और उनके लोग भले न मानें कि महामारी में दुनिया में सर्वाधिक मौतें भारत में हुईं लेकिन वैश्विक लिस्ट में तो भारत टॉप पर दर्ज है। वे दिन रात भारत के अच्छे दिनों, विकास, लोकतंत्र, मीडिया आजादी, मानवाधिकारों, पर्यावरण आदि की सुनहरी झांकियां बताते हैं लेकिन दुनिया का हर वैश्विक इंडेक्स सन् 2014 से शुरू भारत के अधोपतन की रियलिटी के आंकड़े इतिहास में दर्ज करते हुए है।

मैं कल आजादी के बाद चीन और भारत का आर्थिक इतिहास पढ़ रहा था। नेहरू काल की 'हिंदू विकास दर' और 'अकाल' के जिक्र से वह वक्त याद आया और वैश्विक तौर पर अंकित नेहरू राज की रियलिटी का इतिहास ब्यौरा मिलता गया। तभी अपना मानना है कि नई संसद बिल्डिंग पर जड़ा मुंह फाडे गुर्राता, आक्रामक सिंह स्तंभ वह टाईम कैप्सूल है जिसकी झलक ही लोगों को मोदी राज के वक्त का इतिहास याद कराएगी। वक्त ने खुद नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का यूनिक टाइम कैप्सुल बना दिया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में जिद्द है अपने राज की छाप छोड़ने की। इमारतों, स्मारकों से मायावती ने जैसे अपने माया राज की लखनऊ, नोएड़ा में जो छाप बनाई थी वैसे ही मोदी राज ने ठानी हुई है कि वे लुटियन दिल्ली के राजपथ को मोदीपथ बनाएगें। मगर यह किसी ने नहीं सोचा था कि पूरे देश और लोकतंत्र की प्रतिनिधि संसद की इमारत में वक्त वह राजचिंह बनवा बैठेगा जिसके सिंहों की भावभंगिमा खुद मोदी राज का इतिहास बतलाती हुई होगी।

यह नया चिन्ह एक बात को छोड़ कर हर मामले में मोदी राज का प्रतिनिधि है। यह समझ नहीं आया कि सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ के सिंहों को छप्पन इंची का बनाने के साथ उन्हें बौद्ध धर्म के धर्मचक्र के ऊपर क्यों रखा गया। क्या हिंदू पृथ्वीराज चौहान या किसी और हिंदू राजा के चिन्ह को नहीं अपनाया जा सकता था? यदि ज्यादा ही मुश्किल थी और समझ नहीं आ रहा था तो बुलडोजर को ही अपना लेते। धर्मचक्र की मुंह फाड़े, दांत दिखाते आक्रामक सिंहों से साथ संगति नहीं बनती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

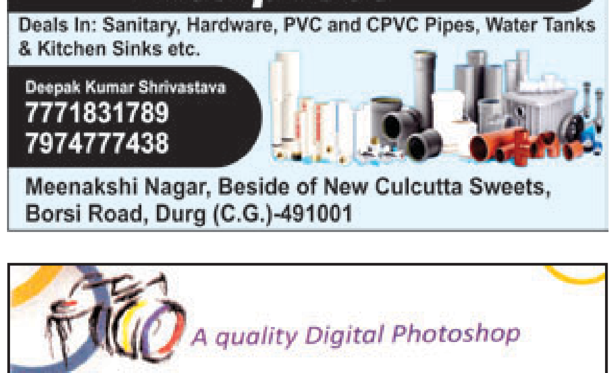

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

68 हजार किसानों को खेती-किसानी के लिए करीब 300 करोड़ का ऋण वितरण

अच्छी बारिश से किसानों के खिले चेहरे अब तक 50 फीसदी से ज्यादा हुई बोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद जिले में हुई बारिश ने किसानों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। पानी बरसा तो किसान खुशी से झूम उठे। यह बारिश किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। पिछले कई दिनों से बारिश न होने से किसान बेहद परेशान थे। उनको अपनी फसलों के बर्बाद होने की चिंता सता रही थी। यही दुआ कर रहे थे कि किसी भी तरह पानी बरसा दो।

मानसून आने के बाद जिले में खरीफकी बुआई भी हो चुकी है और धान के साथ अन्य फसल भी खेतों में नजर आने लगी लेकिन अब तक अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी झलक रही है। कृषि विभाग द्वारा अब तक 68,016 कृषकों को खेती किसानी के लिए 299 करोड़ 92 लाख का ऋण वितरण किया गया। वर्ष 2021-22 खरीफ वर्ष में 54,082 कृषकों को खेती-किसानी के लिए 220.93 करोड़ का ऋण वितरण किया गया था।

सहायक संचालक कृषि श्री अमित मोहंती ने बताया कि किसानों ने खरीफ वर्ष 2022-23 में लगभग 50 प्रतिशत से ज्यादा बोनी पूरी कर ली है। किसान धान रोपा में व्यस्त हो गए है। हर तरफ खेतों में महिलायें रोपा लगाती हुई नजर आ रही है। कृषि विभाग द्वारा जिले में तकरीबन 264.200 हजार हेक्टेयर में खरीफ फसल बोनी का लक्ष्य है।

जो पिछले खरीफ वर्ष से ज्यादा है। इस लक्ष्य के विरूद्ध अब तक लगभग 95 हजार 110 हेक्टेयर में किसानों द्वारा खरीफ मौसम की धान, मक्का, दलहन और तिलहन फसलों की बुआई पूरी की जा चुकी है। पिछले साल इस अवधि में बोनी का प्रतिशत इसी के आस-पास था। जिले में चालू मानसून के दौरान विगत एक जून से आज 18 जुलाई तक 465 मिलीमीटर औसत वर्षा हो चुकी है। इस दौरान सबसे ज्यादा 713 मिलीमीटर बारिश महासमुन्द विकासखंड में हुई है। जिले में किसानों द्वारा धान रोपाई का काम किया जा रहा है।

कृषि अधिकारियों ने बताया कि विभाग की ओर से जिले के किसानों को 41,555 क्विंटल बीज वितरण किया जा चुका है। इसमें स्थानीय बीज विक्रेता भी शामिल है, वहीं अब तक 50,662 मेट्रिक टन खाद का वितरण किया गया है। जिसका लक्ष्य 1,21,750 मेट्रिक टन है। प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियों में मांग के अनुसार किसानों को खाद और बीज उपलब्ध कराने की कार्रवाई की चल रही है। किसानों के लिए सस्ता कृषि लोन मिल रहा है, वही खेती में तकनीकी प्रयोग बढ़ानें पर केन्द्र और राज्य सरकार का विशेष जोर है। इसके साथ ही कृषि उपज की लागत कम करने पर भी जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को उपज का सही मूल्य दिलाने के प्रति वचनबद्ध है। कृषि बीमा योजना से किसानों को राहत भी मिल रही है।

जिले में बच्चों की भाषाई एवं गणितीय दक्षता विकास के लिए ईजीएल प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के तीन विकासखंड रायगढ़, खरसिया एवं तमनार में कक्षा पहली एवं दूसरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों के भाषाई एवं गणितीय दक्षता उन्नत करने के लिए जिला प्रशासन, यूनिसेफ एवं रूम टू रीड के सहयोग से ईजीएल प्रशिक्षण शासकीय नटवर उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 21 जुलाई 2022 तक आयोजित किया जाना है। 13 जुलाई को यूनिसेफ एवं रूम टू रीड के राज्य प्रशिक्षक एवं तीनों विकासखंड के चयनित मास्टर ट्रेनर्स का उन्मुखीकरण जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायगढ़ में संपन्न हुआ तथा 14 से 16 जुलाई 2022 तक 3 दिवसीय प्रशिक्षण जिसमें तीनों विकासखंड के संकुल समन्वयक विकासखंड स्त्रोत समवयक एवं मास्टर ट्रेनर्स शामिल हुए।

विदित हो कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रुप से कक्षा एक एवं कक्षा दो में अध्ययन करने वाले बच्चों के भाषाई दक्षता विकसित करने के लिए भाषा से संबंधित वर्णों को पहचानना, वर्णों को जोड़कर शब्द बनाना एवं शब्द का अर्थ समझने की प्रक्रिया को बड़े ही सरल तरीके से बताया गया तथा गणितीय दक्षता विकसित करने हेतु अंको की पहचान कर उनके व्यवहारिक उपयोग करने के सरलतम तरीकों को आकर्षक तरीके से बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद यह महसूस किया जा रहा है कि इस विशेष तकनीक के प्रयोग से रायगढ़ जिले के तीन विकासखंड में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चल रहे कार्यक्रम के बाद बच्चों को भाषा को समझने की अवधारणा स्पष्ट होगी तथा वे विशेष रूचि के साथ कक्षा की ओर आकर्षित होंगे। प्रशिक्षण का प्रथम दिवस रायगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य एवं जिला मिशन समन्वयक आर.के.देवांगन के विशेष उपस्थिति में प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम में सहायक परियोजना अधिकारी भुवनेश्वर पटेल, ईजीएल कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी आलोक स्वर्णकार तथा जिले की सभी विकासखंड स्त्रोत समन्वयक एवं सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारीगण उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम द्वितीय दिवस तथा तृतीय दिवस पर प्रशिक्षकों के द्वारा विशेष चर्चा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य ने प्रारंभ दिवस पर प्रशिक्षार्थियों से प्रशिक्षण के उद्देश्य, आवश्यकता पर विशेष मार्गदर्शन एवं संकुल स्त्रोत समन्वयक तथा मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा भविष्य में किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा की प्रशिक्षण दिवस के अंतिम दिवस संकुल स्त्रोत समन्वयकों से तीन दिवसों में प्राप्त ज्ञान पर विस्तृत चर्चा भी की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए।

खास खबर

कृषि विज्ञान केन्द्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 94वां स्थापना दिवस मनाया गया

गरियाबंद। कृषि विज्ञान केन्द्र,गरियाबंद के द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिसद् के 94वॉ स्थापना दिवस के अवसर पर कृषकों की आय दोगुनी विषय पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र,गरियाबंद में किया गया। जिसमें जिले के कृषकों की आय दोगुनी से संबंधित 164 कृषकों ने भागीदारी की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के ए.पी. शिन्दे सभाकक्ष में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिसद् के 94वॉ स्थापना दिवस के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा वेबकास्ट के माध्यम से केंन्द्र में उपस्थित जनप्रतिनिधि व कृषकों को उक्त कार्यक्रम का अवलोकन कराया गया जिसमें भारत सरकार केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर मुख्य अतिथि तथा केन्द्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री परषोत्तम रुपाला, केंन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाष चौधरी उपस्थिति रहे। देश के किसानों की आय दोगुनी करने की असंख्य सफल किसानों में से 75,000 किसानों की सफलता की कहानियों के संकलन ई-बुक का विमोचन एवं देश के विभिन्न जिलों के किसानों से सीधा संवाद किया। महानिदेषक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रयासों की सराहना की। कृषि विज्ञान केन्द्र गरियाबंद में आयोजित कृषकों की आय दोगुनी विषय पर कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि के रुप में जनपद पंचायत सदस्य सौरभ पाण्डे , ग्राम कस के सरपंच रविन्द्र कुमार ध्रुव एवं 164 प्रगतिशील कृषकगण उपस्थिति रहें। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.ईश्वर सिंह ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ बुढ़ामहोदव मंदिर से प्रांरभ हुआ भोरमदेव पदयात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पुरातत्व, पर्यटन, जनआस्था के केन्द्र एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल बाबा भोरमदेव मंदिर के लिए पदयात्रा में भारी उत्साह और उमंग देखा गया। कवर्धा से एतिहासिक पंचमुखी बुढ़ा महादेव की विधिवत पुजा-अर्चना व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भोरमदेव मंदिर लगभग 16 किलोमीटर दूरी की पदयात्रा प्रांरभ हुआ। 16 किलोमीटर की इस पदयात्रा में राज्य शासन के वरिष्ठ अफसर से लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, समाज सेवी संगठन, फोर्स एकेडमी, स्कूली बच्चों से लेकर आमजन हजारों की संख्या में महिला-पुरूष व बच्चें श्रद्धालू के रूप में स्वस्फूर्त शामिल हुए।

भोरमदेव पदयात्रा में कबीरधाम जिले में कलेक्टर के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके राज्य शासन के दो वरिष्ठ अफसर वन विभाग के सचिव श्रीमती आर संगीता और मुख्यमंत्री व लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी विशेष रूप से शामिल हुए। वर्ष 2008 से भोरमदेव पदयात्रा प्रांरभ होने के बाद से दोनों अफसर इस पदयात्रा में प्रतिवर्ष शामिल होने कबीरधाम आते है। कबीरधाम जिले के नवपदस्थ कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह, अपर कलेक्टर श्री बी.एस.उइके, वनमंडलाधिकारी चुडामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर, सहित राज्य क्रेडा के सदस्य कन्हैया अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, जिला पंचायत सदस्य तुकाराम चन्द्रवंशी, कवर्धा कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष श्री नीलकंठ साहू, राजेश शुक्ला, अगम अंनत, बोडला जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभाती मरकाम, मोहित महेश्वरी, राजेश माखीजानी, अशोक सिंह, गोरेलाल चन्द्रवंशी सहित अन्य प्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों ने पूरे 16 किलोमीटर पदयात्रा कर भोरमदेव मंदिर पहुंचे। कलेक्टर महोबे सहित सभी गणमान्य नागरिकों ने भोरमदेव मंदिर पहुंच कर विधिवत पुजा-अर्चना की और जिले के खुशहाली व समृद्धि की कामना की।

कलेक्टर ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में समग्र कबीरधाम जिला का एक अध्यात्म, पुरात्व व पर्यटन की दृष्टि से एक अलग पहचान है। आज श्रावण मास के प्रथम सोमवार को आयोजित इस पदयात्रा में जिले के सभी गणमान्य नागरिकों, जनप्रनिधियों से लेकर समाज सेवी संगठनों और आमजनों में बहुत उत्साह देखने को मिल रहा है। कोविड संक्रमण काल से दो वर्ष के अंतराल में आयोजित इस पदयात्रा को लेकर पूरे जिले भर में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। उन्होने पूरे जिले वासियों को श्रावण मास की बधाई और शुभकामनाएं भी दी है।

पदयात्रियों को जगह-जगह पुष्प गुच्छ भेंट व तिलक लगाकर स्वागत और अभिनंदन किया

भोरमदेव पदयात्रा को लेकर कवर्धा से भोरमदेव मंदिर पूरे 16 किलोमीटर तक विगत वर्षो की तुलना में दोगुनी उत्साह और उमंग देखने को मिला। जिले के विभिन्न संगठनों से लेकर अलग-अलग समाजिक संगठनों द्वारा स्टॉल लगाकर पदयात्रियो को जलपान कराया और पुष्प गुच्छ, माला भेंट कर व तिलक लगाकर स्वागत और अभिन्नंद किया गया।

कवर्धा से लेकर भोरमदेव मंदिर तक की इस 16 किलोमीटर की पदयात्रा में दो अलग अलग स्थल राजा नवागांव पुलिस थाना परिसर और ग्राम छपरी के समीप वृहद पौधारोपण गया गया। इस पौधा रोपण कार्यक्रम में वन विभाग के सचिव श्रीमती आर संगीता और मुख्यमंत्री व लोक निर्माण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी कलेक्टर जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह, वनमंडलाधिकारी चुडामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर, सहित राज्य क्रेडा के सदस्य कन्हैया अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, जिला पंचायत सदस्य तुकाराम चन्द्रवंशी, राजेश शुक्ला, अगम अंनत, बोडला जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभाती मरकाम, मोहित महेश्वरी, राजेश माखीजानी, अशोक सिंह, गोरेलाल चन्द्रवंशी ने एक-एक पौधा रोपण किया।

डॉ. खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रथम स्वप्नदृष्टा थे - भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती पर उनके योगदान को याद किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और साहित्यकार डॉ. खूबचंद बघेल की 19 जुलाई को जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने डॉ. बघेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि खूबचंद जी ने अपना पूरा जीवन छत्तीसगढ़ के हितचिंतन में लगा दिया। समाज सुधारक, संवेदनशील साहित्यकार और कुशल चिकित्सक के रूप में उन्होंने समाज को एक नई दिशा दी। जीवन के अंतिम समय तक वे रचनात्मक और किसान-मजदूर हितैषी गतिविधियों से जुड़कर छत्तीसगढ़ की सेवा करते रहे। वे छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रथम स्वप्नदृष्टा थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि अध्ययन के दौरान ही डॉ. साहब राष्ट्रीय विचारधारा से प्रभावित होकर राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भागीदारी करने लगे। उन्होंने गांव-गांव घूमकर सैकड़ों युवाओं को प्रेरित किया और स्वाधीनता संग्राम से उन्हें जोड़ा। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उनके द्वारा लिखे नाटकों ने भी जनमानस पर गहरा प्रभाव डाला।

डॉ. बघेल की स्मृति और सम्मान में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि और अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल राज्य स्तरीय सम्मान दिया जाता है।

राज्य के सभी नागरिकों को नि:शुल्क एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने एक जनवरी 2020 से डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना प्रारम्भ की गई है। प्रदेश के 65 लाख परिवार इस योजना के दायरे में हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. खूबचंद बघेल का व्यक्तित्व और कृतित्व हमें हमेंशा प्रेरित करता रहेगा।

पहला सावन मिलन समारोह में आकर्षक ग्रीन वेशभूषा में नजर आई महिलाएं

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। पवित्र श्रावण मास के शुभारंभ अवसर पर शिवालय में पूजन अर्चन एवं जलाभिषेक करने के बाद नीलू महिला स्व सहायता समूह के तत्वावधान में स्थान सिंधिया नगर में पहला सावन मिलन का भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

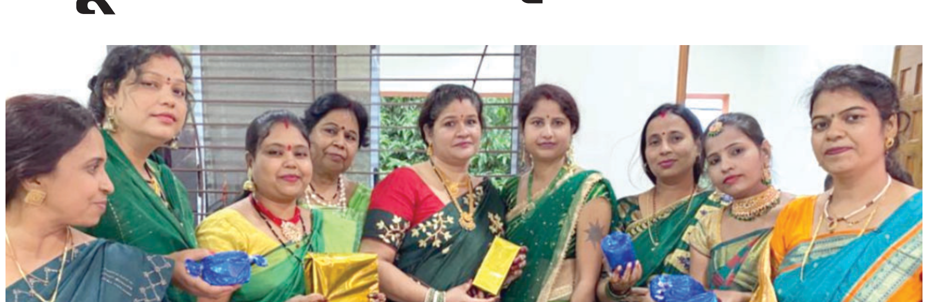

महिलाओं ने पहला सावन मिलन कार्यक्रम पर विभिन्न प्रकार के आकर्षक सुंदर वेशभूषा धारण कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

साथ ही महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के गीत संगीत , नृत्य व मेहदी,हरा वेशभूषा धारण व विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें महिलाओं का छत्तीसगढ़ी ग्रीन वेशभूषा में हर वर्ष की तरह इस वर्ष की भी बड़े धूमधाम से नीलू महीला स्व सहायता समूह ने महिलाओं के साथ मिलकर पहला सावन सोमवार को शिव पूजा के साथ भजन कीर्तन कर महिलाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें जिसका बेस्ट श्रृंगार प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय व तृतीय का इनाम दिया गया और जिसकी मेहंदी बेस्ट रही उसे भी प्रथम,द्वितीय व तृतीय का इनाम दिया गया।

आयोजन कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया,और पहला सावन सोमवार में धुमधाम से मनाया। जिसमें आयोजक एवं अध्यक्ष श्रीमती नीलू सिंह,श्रीमती मंजू सिंह, श्रीमती सरिता,श्रीमती शीतल, सुश्री आरुषि सिंह, शोभा, मधु, रीना, पुजा, अंजली सुषमा, विभा सहित अन्य सभी महिलाए उपस्थित रही।

जनचौपाल: अवैध कब्जा पर रोक लगाने राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

जनदर्शन में मिले 39 आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनचौपाल में आए लोगों की समस्याओं और मांगो से अवगत हुए तथा उस पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर डॉ भुरे को आज जनचौपाल में 39 लोगों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर अपनी समस्याएं बताई।

जनचौपाल में गोबरा-नवापारा तहसील के ग्राम रामबाई साहू ने पांच माह से राशन नही मिलने संबंधी तथा भनपुरी के देवकी साहू ने राशन कार्ड में नाम जुड़वाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इस आवेदन पर तत्काल कार्यवाही करते हुए कलेक्टर भुरे ने खाद्य अधिकारी को तत्काल नाम जोड़ने और रामबाई को राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। खाद्य अधिकारी द्वारा नाम जोड़ने की कार्यवाही करने के साथ-साथ रामबाई को संबंधित राशन दुकान से राशन उपलब्ध कराया गया। आमासिवनी के निवासियों ने आवासीय जमीन का पट्टा दिलाने, गुढ़ियारी के उमेन्द्र सिंह सोनवानी ने गंभीर बीमारी से पीड़ित अपनी बच्ची की ईलाज के लिए आर्थिक सहायता हेतु, देवपूरी के चंदन गिलहरे ने व्यवसाय हेतु तथा तिल्दा-नेवरा की शीलू सोनी ने आर्थिक सहायता संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने इन आवेदनों पर नियमत: कार्रवाई करने का आश्वासन संबंधितों को दिए। इसी तरह अभनपुर विकासखंड के ग्राम तामासिवनी के ग्रामीणों ने पानी टंकी से बांधा तालाब तक रोड निर्माण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर भुरे ने पी.डब्ल्यू.डी विभाग के अधिकारियों को सुगम सड़क के तहत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

आज की जनचौपाल में मिले आवेदनों में से शासकीय और निजी जमीनों के अवैध कब्जा और राजस्व रिकॉर्ड में सुधार के लिए प्रस्तुत आवेदनों पर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को इनके त्वरित निराकरण के लिए कहा। आर.डी.ए कॉलोनी टीकरापारा की यशवंता चौधरी ने अभनपुर तहसील के ग्राम सिगारंभाठा स्थित निजी जमीन पर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अवैध कब्जा करने की शिकायत की। इसी तरह आमासिवनी निवासी पिंटू साहू ने आमासिवनी में बाजार के समीप बनी सोसायटी और सरकारी भवन की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर दुकान एवं मकान निर्माण किए जाने संबंधी, विजय बजाज ने ग्राम काठाडीह स्थित शासकीय भूमि पर अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा कब्जा करने संबंधी, पुरानी बस्ती के शशि शर्मा ने रायपुरा के निजी आवासीय जमीन पर कब्जा करने संबंधी और रामसागरपारा के मोहल्ला के समस्त निवासीयों ने मॉ बम्लेश्वरी मंदिर, सिंधी स्कूल के पीछे किए गए अवैध कब्जे को हटाने संबंधी शिकायत की। कलेक्टर ने इस पर तत्काल संबंधित राजस्व अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 440.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चालू मानसून सत्र में एक जून 2022 से अब तक राज्य में 440.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 18 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1105.9 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 140.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। प्रदेश में पिछले दस वर्षों के आधार पर अब तक वर्षा का औसत 377.9 मि.मी. है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 160.9 मिमी, सूरजपुर में 229.9 मिमी, जशपुर में 174.7 मिमी, कोरिया में 249.4 मिमी, रायपुर में 308.3 मिमी, बलौदाबाजार में 410.4 मिमी, गरियाबंद में 525.8 मिमी, महासमुंद में 465.5 मिमी, धमतरी में 548.7 मिमी, बिलासपुर में 455.7 मिमी, मुंगेली में 496.3 मिमी, रायगढ़ में 375.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 511.8 मिमी, कोरबा में 323.5 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 445.5 मिमी, दुर्ग में 430.4 मिमी, कबीरधाम में 422.0 मिमी, राजनांदगांव में 508.7 मिमी, बालोद में 604.1 मिमी, बेमेतरा में 324.6 मिमी, बस्तर में 537.2 मिमी, कोण्डागांव में 536.2 मिमी, कांकेर में 629.6 मिमी, नारायणपुर में 463.3 मिमी, दंतेवाड़ा में 528.5 मिमी और सुकमा में 427.5 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

राज्यपाल ने डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती पर उन्हें नमन किया

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया है। राज्यपाल ने कहा है कि डॉ. बघेल छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा थे। उनका पूरा जीवन समाज और कृषकों के कल्याण के लिए समर्पित था। वे किसान-मजदूर हितैषी गतिविधियों से जुड़कर छत्तीसगढ़ की सेवा करते रहे। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है।

हर घर हरियाली अभियान

जिले में एक ही दिन में लगभग साढ़े तीन लाख पौधे रोपे गए

जन सामान्य की सक्रिय सहभागिता, मुख्यमंत्री, मंत्रियों-अधिकारियों सहित विधायकों ने भी अपने-अपने घरों में लगाए पौधे

कलेक्टर ने जिला प्रशासन की टीम के साथ कलेक्टोरेट परिसर में किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला प्रशासन की महत्वाकांक्षी पहल हर घर हरियाली अभियान में जिलेवासियों ने बढ़-चढ़कर अपनी सक्रिय सहभागिता निभायी है। आज रायपुर जिले के सभी शहरी और ग्रामीण इलाकों में लोगों ने अपने घरों, खेतों, खाली जमीन पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया। जिले में इस अभियान के तहत एक ही दिन में तीन लाख पचास हजार से अधिक पौधे रोपे गये। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे की इस पर्यावरण हितैषी पहल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ राज्य सरकार के मंत्रियों, अधिकारियों और विधानसभा के सदस्यों सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने भी सक्रिय योगदान दिया। भूपेश बघेल ने आज सीएम हाउस में रूद्राक्ष का पौधा लगाया। वहीं सभी मंत्रियों ने भी अपने-अपने आवास में पौध रोपण किया। कलेक्टर डॉ.सर्वेश्वर भूरे ने सपत्निक अपने कचना स्थित आवास में पौधा लगाया। इसके बाद उन्होंने कार्यालय पहुंचकर प्रशासन की टीम के साथ कलेक्टोरेट परिसर में भी वृक्षारोपण किया। नगर निगम आयुक्त सहित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वन विभाग के अधिकारियों और अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी अपने-अपने कार्यालयों में पौधे लगाए।

मानव जीवन को बनाये रखने जरूरी है वृक्षारोपण

कलेक्टर ने जिले के आमजनों से वृक्षारोपण और उसके संरक्षण के लिए अपील करते हुए कहा कि

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सीएम हाउस में लगाया रुद्राक्ष का पौधा

पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए हर व्यक्ति एक पौधा जरूर लगाएं। वृक्ष और पौधे हवा को शुद्ध करते हैं। पानी को संरक्षित करते हैं। जलवायु नियंत्रण में मदद करते हैं। मिट्टी की शक्ति को बरकरार रखते हैं और कई अन्य तरीकों से पूरे पर्यावरण को लाभ पहुंचाते हैं। मानव के जीवन को सुखी, समृद्ध व संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का अपना विशेष महत्व है।वृक्षारोपण मानव जाति को कई लाभ प्रदान करता है और हम सभी इस बारे में अच्छी तरह जानते हैं। हम यह भी जानते हैं कि हम में से प्रत्येक के द्वारा किए गए छोटे-छोटे प्रयास पूरे पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा परिवर्तन उत्पन्न कर सकते हैं।

लगाए गए फलदार-छायादार पौधे

जिला प्रशासन की तरफ से इस वृक्षारोपण महा अभियान में जिले के निगम, पंचायत और सरकारी कार्यालयों में वृक्षारोपण किया गया। इस अभियान के तहत उपयोगिता और स्थान के अनुसार नीम, गुलमोहर, दशमत फूल, अमरूद, पपीता, आम, अर्जुन, करंज, बादाम, मुनगा आदि प्रजाति पौधे लगाए गए। सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, स्कूलों, उद्योग, आंगनबाडी केंद्रों, रिहायशी इलाक़ों में फलदार-छायादार पौधों का रोपण किया गया। वन और उद्यानिकी विभाग ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय कार्यालय तक माँग के अनुसार संख्या में पौधे उपलब्ध कराया गया।

घर-घर पहुंचाकर पौधे देने की भी थी सुविधा-

इस अभियान के तहत पूरे ज़िले में नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में घर-घर पहुंचाकर भी लोगों को पौधे दिए गए, और उन्हें लगाने तथा उनकी देखभाल का तरीका भी बताया गया। नगर निगम के अधिकारियों सहित वन विभाग और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने लोगों को पौधों के लिए घर पहुंच सेवा उपलब्ध कराई। इसके साथ ही निशुल्क पौधे प्राप्त करने के लिए मोबाईल नम्बर भी सार्वजनिक किए गए थे। वृक्षारोपण के इच्छुक नागरिकों ने इन मोबाईल नम्बरों पर फोन कर अपने घर पौधे मंगवाये।

महापौर ने अपने निवास में किया वृक्षारोपण, लोगों से अभियान को सफल बनाने की अपील भी की

महापौर एजाज ढेबर ने हर घर हरियाली अभियान के तहत अपने निवास परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने इस दौरान बताया कि जिला प्रशासन और नगर निगम रायपुर द्वारा एक वृहत आंदोलन चलाया जा रहा है। सावन के प्रथम सोमवार को ही एक ही दिन में नगर निगम क्षेत्र में 1 लाख से अधिक पौधे रोपे गए है। ग्रीन रायपुर-क्लीन रायपुर की परिकल्पना को इस अभियान के जरिए साकार करने के लिए महापौर एजाज ढेबर ने सभी लोगों से अपील की है कि पौधे लगाकर उनका संरक्षण करें। ताकि वृक्षारोपण के महत्ती उद्देश्य को पूरा करते हुए वातावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके, जलवायु परिवर्तन के खतरनाक प्रभावों से बचाये जा सके।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से 24 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य के माध्यम से 24 लाख से ज्यादा लोगों का नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल शहरों में गरीबों की बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों का इलाज नि:शुल्क कर रहे है। गरीब लोग कई कारणों से अस्पताल तक नही पहुंच पाते थे। जिससे उनका इलाज नहीं हो पाता था। परन्तु मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गरीबों की पीड़ा को समझा। गरीबों का इलाज करने उनके घर पर ही डॉक्टर पहुंचे ऐसी परिकल्पना उन्होंने की।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य स्लम योजना के तहत करीब 24 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज छत्तीसगढ़ के शहरी इलाकों की स्लम बस्तियों में किया जा चुका है। शहरों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के वाहन घूम-घूम कर गरीबों का इलाज कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक मोबाइल मेडिकल टीम द्वारा 24 लाख से ज्यादा लोगों को नि:शुल्क इलाज मुहैया कराया गया है। इसके तहत राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में अब तक मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम द्वारा 34 हजार 370 कैम्प लगाकर लोगों की नि:शुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क दवायें उपलब्ध करायें।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस योजना से लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मिलने की सफलता को देखते हुए 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई।

हरेली-तिहार पर 28 जुलाई को स्कूलों में 'गेड़ी नृत्य प्रतियोगिता'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप 28 जुलाई को ''हरेली-तिहार'' सभी शासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों में विशेष रूप से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य में हरेली त्यौहार को परंपरागत रूप से मनाए जाने के संबंध में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. एस. भारतीदासन ने सभी कलेक्टरों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि 7 जुलाई को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में हरेली पर्व को राज्य में परंपरागत ढंग से मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई थी। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी स्कूलों में हरेली पर्व के अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य गेड़ी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन करने के निर्देश दिए थे।

सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. एस. भारतीदासन द्वारा जारी निर्देश के तहत सभी प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों, आश्रम शालाओं एवं छात्रावासों आदि में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शाला प्रबंधन समिति, स्थानीय कला एवं संगीत मंडलियों की सहायता से हरेली त्यौहार का विशेष आयोजन होगा। विद्यार्थियों के मध्य 'गेड़ी नृत्य प्रतियोगिता' होगी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष तौर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले प्रगतिशील कृषक प्रतिनिधियों के हाथों पुरस्कृत कर प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

स्कूल शिक्षा सचिव द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधताओं और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित एवं संवर्धित करने की दिशा में राज्य शासन निरंतर प्रयत्नशील है। इसी श्रृंखला में विगत वर्षों से राज्य की कृषि संस्कृति के प्रमुख त्यौहार 'हरेली' को प्रमुखता के साथ पूरे राज्य में मनाया जा रहा है। 'हरेली त्यौहार' को उत्साह से मनाने और इसमें लोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन द्वारा शासकीय अवकाश भी घोषित किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मिट्टी की उर्वरा शक्ति को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से अक्षय तृतीया 3 मई 2022 से माटी पूजन महाअभियान की शुरूआत भी की गई थी। स्कूलों में किचन गार्डन विकसित करने के संबंध में संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा पूर्व में ही विस्तृत निर्देश जारी किए जा चुके हैं। कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को हरेली के दिन जिला स्तर एवं विकासखण्ड मुख्यालयों में कृषि तथा वन विभाग के सहयोग से 'पर्यावरण संरक्षण और हरेली की महत्ता' पर केन्द्रित संगोष्ठी का आयोजन करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले उन्नत कृषकों, प्रयोगधर्मी कृषकों को विशेष तौर पर सम्मानित किया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कभी 'झलक दिखला जा' में कंटेस्टेंट थी नोरा फतेही: अब करण जौहर और माधुरी दीक्षित के साथ मिलकर जज के पैनल में शामिल होंगी

नोरा फतेही जल्द ही डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' सीजन 10 में बतौर जज नजर आने वाली हैं। नोरा बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित और फिल्ममेकर करण जौहर के साथ शो में जज की कमान संभालेंगी। हाल ही में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि साल 2017 में वो इस शो में कंटेस्टेंट थीं और आज वो शो की जज हैं। उस वक्त उनके कोरियोग्राफर पार्टनर कॉर्नेल रॉड्रिक्स थे। नोरा की बात करें तो वो सीजन 9 में दस हफ्तों तक टिके रहने के बाद एलिमिनेट हो गई थीं। उस सीजन को जैकलीन फर्नांडीज, करण जौहर, गणेश हेगड़े और फराह खान ने जज किया था।

नोरा शो जज करने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं

नोरा कहती हैं, मानो जैसे मेरे लिए लाइफ का एक सर्कल पूरा हो गया हो क्योंकि मैं एक एक्स कंटेस्टेंट होने के बाद 'झलक दिखला जा' में एक जज की भूमिका निभा रही हूं। डांस और ग्रेस के प्रतीक मानी जाने वाली माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करना हर कलाकार का सपना होता है और मेरा भी यह सपना था। अब भी मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि मैं करण जौहर के साथ जज के पैनल में शामिल होने जा रही हूं। करण के लिए मेरे मन में बहुत रिस्पेक्ट है और उनके साथ एक स्टेज शेयर करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मेरे करियर का यह निश्चित रूप से एक नया चैप्टर है, जिसके बारे में मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

यह शो मेरे लिए घर वापसी जैसा लगता है- माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित नेने कहती हैं, झलक दिखला जा एक ऐसा स्टेज है, जहां आप सेलेब्स और फैंस से जुड़े रहते हैं। मैंने शो में कई नॉन डांसर्स को एक अच्छा डांसर बनते हुए देखा है। मैंने इस शो के 4 सीजन को जज किया है। यह शो मेरे दिल में एक खास जगह रखता है और यह मेरे लिए घर वापसी जैसा लगता है।

बतौर जज यह सो करण का पहला रियलिटी शो था

करण जौहर कहते हैं, मेरे लिए इस शो का हिस्सा बनने से ज्यादा खुशी की कोई बात नहीं है। यह शो डांस, ग्लैमर और एंटरटेनमेंट के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। झलक दिखला जा हमारे देश के सबसे पॉपुलर डांस रियलिटी शो में से एक है। बतौर जज, यह मेरा पहला रियलिटी शो था, जोकि मेरी टेलीविजन जर्नी का एक बड़ा हिस्सा रहा है। मैं इस शो में वापसी करने और जजों के पैनल में माधुरी और नोरा के साथ जुड़ने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं।

बता दें शो में मेकर्स ने निया शर्मा, पारस कलनावत, नीति टेलर और धीरज धूपर को कंटेस्टेंट के रूप में साइन कर लिया है।

रिलीज से पहले ऐश्वर्या राय की फिल्म पर लगा ग्रहण कोर्ट ने इस वजह से मणिरत्नम को भेजा नोटिस

पोन्नियन सेल्वम चोल साम्राज्य के संघर्ष की कहानी है। कुछ दिनों पहले फिल्म का टीजर जारी हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म की कास्ट, कहानी और ग्राफिक्स को लेकर भी खूब चर्चा की जा रही है। फिल्म में शानदार विजुअल्स और इफेक्टस का भी इस्तेमाल किया गया है और ये काफी बड़े बजच की फिल्म है। लेकिन डायरेक्टर मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियन सेल्वम रिलीज से पहले ही विवादों में फंसती नजर आ रही है। इस फिल्म में एक बड़ी गलती पकड़ी गई है, जिस वजह से कोर्ट ने मेकर्स को नोटिस जारी किया है। फैंस को ऐश्वर्या की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, लेकिन रिलीज से पहले ही इसपर बवाल होता नजर आ रहा है।

क्या है आरोप?

वैसे तो ये फिल्म 30 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है, लेकिन कोर्ट ने डायरेक्टर मणिरत्नम और अभिनेता विक्रम को नोटिस जारी किया है। ये फिल्म हिंदुस्तान पर 1500 साल तक राज करने वाले चोल वंश की कहानी पर आधारित है। वकील ने मेकर्स पर सवाल उठाया है कि उन्होंने इसकी कहानी को गलत तरीके से पेश किया है। ऐसे में फिल्म से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों की जांच के लिए वकील ने इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग की मांग की है। वकील सेल्वम का कहना है कि स्पेशल स्क्रीनिंग के जरिए इस बात की जांच की जाएगी कि ऐतिहासिक तथ्यों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है।

मणिरत्नम का ड्रीम प्रोजेक्ट

वकील सेल्वम को शक है कि मेकर्स राजवंश के बारे में कुछ ऐसा दिखा सकते हैं, जिसका असलियत से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है। बता दें कि मणिरत्नम की ये फिल्म अनाउंसमेंट के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में ऐश्वर्या को बहुत ही खूबसूरत अंदाज में दिखाया गया है। फिल्म की कास्ट की बात करें तो पोन्नियन सेल्वन में ऐश्वर्या राय के अलावा विक्रम और तृषा अहम किरदार में हैं। ये फिल्म मणिरत्नम का ड्रीम प्रोजेक्ट है, वह काफी समय से इस फिल्म पर काम कर रहे हैं।

सबसे बड़े बजट की फिल्म

पोन्नियन सेल्वन को लेकर कहा जा रहा है कि ये फिल्म भारत में अब तक की सबसे बड़े बजट की फिल्म है। इसका बजट 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। मणिरत्न ने अपनी फिल्म को बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने फिल्म को भारत के अलग-अलग हिस्सों में शूट किया है। फिल्म की शूटिंग सितंबर 2021 में ही खत्म हो गई थी। ये पैन इंडिया फिल्म है और इसे 30 सितंबर को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा।

अगले साल शादी के बंधन में बंधेंगे अथिया और केएल राहुल

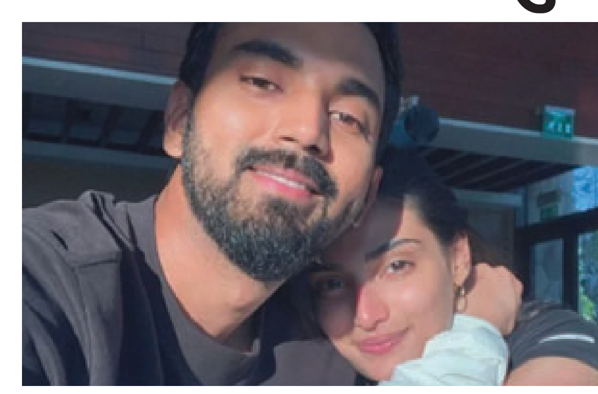

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी और अभिनेत्री अथिया शेट्टी अपने फिल्मी करियर से कई ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि भारतीय क्रिकेट टीम के होनहार प्लेयर के एल राहुल और अथिया एक-दूसरे को पिछले काफी समय से डेट कर रहे हैं। इन दोनों की शादी को लेकर बीते कई दिनों से चर्चाएं जोरो पर हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अभिनेत्री जल्द ही क्रिकेटर केएल राहुल के साथ शादी करने वाली है। इन रिपोर्ट्स पर अथिया ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार रिएक्शन दिया था, जिसे देख कपल के फैंस को झटका लगा था। हालांकि, अब एक बार फिर दोनों की शादी को लेकर एक रिपोर्ट सामने आ रही है।

2023 में शादी करेंगे अथिया-राहुल

अभिनेत्री अथिया शेट्टी और के एल राहुल पिछले काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। अभिनेत्री को काफी बार केएल राहुल के साथ उनके क्रिकेट टूर्स पर भी जाते हुए देखा गया है। यह कपल उन सितारों में शामिल हैं, जिन्हें फैंस जल्द से जल्द शादी के बंधन में बंधते हुए देखना चाहते हैं। अब ऐसे में एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक इनके माता-पिता ने दोनों की शादी का प्लान थोड़ा आगे बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 'अथिया और केएल राहुल आने वाले तीन महीने में नहीं बल्कि अगले साल शादी के बंधन में बंधेगें। दोनों की शादी साल 2023 के जनवरी-फरवरी में होने वाली है, लेकिन अभी इसकी तारीख तय नहीं की गई है। अथिया और राहुल की शादी की तैयारियों को लेकर अभी दोनों परिवारों में बातचीत चल रही है।'

नए घर में शिफ्ट होगा कपल

इस रिपोर्ट में कपल के शादी के बाद के घर के बारे में भी जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक,'अथिया और केएल राहुल शादी के बाद मुंबई के पाली हिल्स स्थित संधू पैलेस में शिफ्ट हो जाएंगे। उनके नए आशियाने का कंस्ट्रक्शन अभी भी चल रहा है।' गौरतलब है कि अथिया और राहुल इस घर में शिफ्ट होते ही रणबीर और आलिया के पड़ोसी बन जाएंगे। दरअसल, यह बिल्डिंग आलिया और रणबीर के घर वास्तु से दो बिल्डिंग्स दूर है।

अथिया का मजेदार रिएक्शन

यह पहली बार नहीं है कि अथिया और के एल राहुल की शादी को लेकर कोई खबर सामने आई हो। पिछले दिनों आई खबर पर अथिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। स्टोरी शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मुझे उम्मीद है कि मुझे 3 महीने में होने वाली शादी में आमंत्रित किया जाएगा।

बॉलीवुड और साउथ की टक्कर से दहलेगा बॉक्स ऑफिस, सिनेमाघरों में रिलीज होंगी छह बड़ी फिल्में

सिनेमा की दुनिया अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। हफ्ते का हर शुक्रवार काफी खास होता है क्योंकि इस दिन कई कलाकारों की किस्मत तय होती है। शुक्रवार के दिन ही सिनेमाघरों में नई फिल्में रिलीज होती हैं, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। जुलाई महीने के तीसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी फिल्में रिलीज होंगी। इस हफ्ते जहां फिल्म 'शमशेरा' से रणबीर कपूर पर्दे पर लौट रहे हैं, वहीं उन्हें टक्कर देने रजत कपूर की फिल्म 'आरके' रिलीज होने जा रही है। इनके अलावा सिनेमाघरों में कई तमिल-तेलुगू और पंजाबी फिल्में भी रिलीज हो रही हैं। तो, चलिए आपको बताते हैं इस हफ्ते कौन सी फिल्में आपका मनोरंजन करने रिलीज होने जा रही हैं।

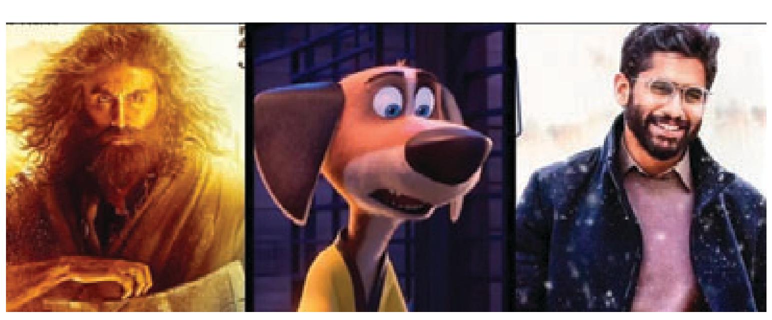

शमशेरा

पिछले काफी समय से अभिनेता रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'शमशेरा' चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म से रणबीर कपूर लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'शमशेरा' में जहां रणबीर कपूर डबल रोल में नजर आएंगे, वहीं संजय दत्त विलेन का किरदार निभाएंगे। इसके साथ ही 'शमशेरा' में दर्शकों को पहली बार रणबीर-वाणी कपूर की जोड़ी भी दिखाई देगी। फैंस के बीच फिल्म को लेकर इसके एलान के समय से काफी बज बना हुआ था, जो अब खत्म होने जा रहा है। 'शमशेरा' इस शुक्रवार यानी 22 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

आरके/ आरकेय

बॉलीवुड इंडस्ट्री की रिलीज होने वाली फिल्मों में 'शमशेरा' के अलावा इस लिस्ट में रजत कपूर स्टारर फिल्म 'आरके' भी है। फिल्म में रजत कपूर के साथ-साथ मल्लिका शेरावत, रणवीर शौरी और कुब्रा सैत भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देने वाले हैं। 'आरके' से अभिनेत्री मल्लिका कई वर्षों बाद बड़े पर्दे पर कमबैक करने जा रही हैं, जिसके लिए दर्शकों के मन में थोड़ बहुत उत्साह तो जरूर होगा। फिल्म में अभिनय करने के अलावा इसका निर्देशन और लेखन भी रजत कपूर ने ही किया है।

थैंक्यू

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य की रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म 'थैंक्यू' भी 22 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म का निर्देशन साउथ के निर्देशक विक्रम कुमार ने किया है। 'थैंक्यू' में नागा चैतन्य के अलावा अविका गौर और मालविका नायर भी अहम भूमिकाओं दिखाई देंगी। फिल्म की कहानी को साल 2000 में सेट किया गया है।

मलयनकुंजू

साउथ इंडस्ट्री के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता फहद फासिल अपने फैंस को उत्साहित करने में कभी भी असफल नहीं होते हैं। अभिनेता को आखिरी बार ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा' में देखा गया था, जिसके लिए उन्हें खूब प्रशंसा भी मिली थी। 'पुष्पा' में दमदार अभिनय करने के बाद अब वह अपनी फिल्म 'मलयनकुंजू' के साथ लौट रहे हैं। यह एक मलयालम फिल्म है, जो 22 जुलाई को रिलीज की जाएगी। यह फिल्म केरल में हुई भूस्खलन की एक सत्य घटना पर आधारित है।

जाट्स लैंड

पंजाबी फिल्म 'जाट्स लैंड' में गुरमीत साजन और हॉबी धालीवाल मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी करम सिंह के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके दो बेटे गुरविंदर और फतेह हैं। करम सिंह का बड़ा बेटा गांव के लोगों को सामुदायिक खेती में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है। लेकिन हर कहानी की तरह इसमें भी एक खलनायक जमींदार है, जो ऐसा नहीं होने देना चाहता। फिल्म 22 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

पाव्स ऑफद फ्यूरी: द लेजेंड ऑफ हैंक

'पाव्स ऑफ द फ्यूरी: द लेजेंड ऑफ हैंक' एक एनिमेटेड मार्शल आर्ट फिल्म है, जो 15 जुलाई को यूएस में रिलीज हुई थी। लेकिन अब यह फिल्म भारत में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह एनिमेटिड फिल्म 22 जुलाई 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। रॉब मिंकॉफ, मार्क कोएट्सियर और क्रिस बेली ने मिलकर फिल्म का निर्देशन किया है। 'पाव्स ऑफद फ्यूरी: द लेजेंड ऑफहैंक' में माइकल सेरा, सैमुअल एल जैक्सन, और रिकी गेरवाइस मुख्य भूमिकाओं में हैं।

निक जोनस ने प्रियंका चोपड़ा को रोमांटिक अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई, वायरल हो रहीं तस्वीरें

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने 18 जुलाई को अपना जन्मदिन काफी रोमांटिक तरीके से मनाया। इस दौरान अभिनेत्री को उनके फैंस और दोस्तों ने भी विश किया था। सोशल मीडिया पर भी प्रियंका चोपड़ा से जुड़े तमाम फोटोज और हैशटैग ट्रेंड कर रहे थे। प्रियंका अपने जन्मदिन पर पति निक के साथ थीं और इस दौरान दोनों ने प्राइवेट पार्टी की है। इस पार्टी की तस्वीरें आ गई हैं। फोटोज में कभी प्रियंका निक को किस कर रही हैं तो कभी वह पति के गले में बाहें डालकर आतिशबाजी को देख रही हैं। निक जोनस ने इन फोटोज को सोशल मीडिया पर साझा किया है, जो इस समय काफी वायरल हो रही हैं।

निक जोनस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रियंका के बर्थडे सेलिब्रेशन की चार तस्वीरें अपलोड की हैं। पहली फोटो में दोनों समुंदर किनारे खड़े होकर एक-दूसरे को किस कर रहे हैं। दूसरी तस्वीर में प्रियंका किसी रेस्टोरेंट में बैठी हैं और उनके हाथ में हैप्पी बर्थडे प्रियंका 80's बेबी का एक टैग है। तीसरी तस्वीर में निक एक टॉवल जैसा कपड़ा पकड़े हैं, जिस पर लिखा है- प्रियंका ज्वेल ऑफ जुलाई। वहीं आखिरी फोटो में निक-प्रियंका आतिशबाजी का मजा ले रहे हैं।

निक ने बर्थडे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा- 'मेरी जुलाई की ज्वेल को हैप्पिएस्ट बर्थडे। जिंदगी की इस क्रेजी राइड में तुम्हारे साथ होने पर गर्व महसूस करता हूं। आई लव यू'। निक की इस पोस्ट पर तुरंत प्रियंका का भी प्यार भरा कमेंट आया है। उन्होंने लिखा- 'लव ऑफ माई लाइफ'। इसके अलावा इस पोस्ट पर बहुत से फैंस प्रियंका को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। लोगों को निक की ये पोस्ट भी बहुत पसंद आ रही है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

सही समय पर इलाज से मिलने स्वास्थ लाभ की सम्भावना बढ़ जाती है- डॉ. प्रियंक पटेल

सूरजपुर। कलेक्टर इफ्फत आरा के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सूरजपुर डॉ. आर.एस. सिंह तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. शशि तिर्की के सहयोग से जिला चिकित्सालय में 12 जुलाई 2022 को सोनपुर के निवासी नाविर के 12 वर्षीय पुत्र तरवेज आलम को बात न कर पाने एवं सांस लेने में तकलीफ होने के कारण जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया। शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंक पटेल के द्वारा बच्चे की जांच में संभावित सर्पदंश के लक्षण पाये गये। विष के प्रभाव के कारण बालक सांस नहीं ले पा रहा था, इसलिये डॉ. प्रियंक पटेल के द्वारा तत्काल बच्चे को वेंटीलेटर में रखकर ईलाज प्रारंभ किया गया एवं शिशुरोग विभाग के सभी डॉक्टर एवं नर्सों के मेहनत के परिणाम स्वरूप धीरे-धीरे बच्चे की सांस लेने में आराम होने लगा एवं उसे वेंटीलेटर से बाहर किया गया। उसे 16 जुलाई 2022 को पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद बालक को डिस्चार्ज किया गया। इस केश में महत्वपूर्ण बात यह थी कि बच्चे एवं परिवार के अन्य सदस्यों को सर्पदंश के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, इस बारे में डॉ. प्रियंक पटेल ने जानकारी दी कि खास कर के करैत सर्प के काटने पर कभी-कभी इतना कम दर्द होता है कि मरीज को सर्पदंश का पता भी नहीं चलता है।

निर्भीक होना संसार की सबसे बड़ी साधना है : आचार्य विशुद्ध सागर महाराज

रायपुर। विशुद्ध वर्षा योग फाफाडीह में सोमवार को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने कहा कि आडंबरों से सदैव बचना चाहिए। ऐसा करने से आनंद परमानंद में बदलेगा। निर्भीक होना संसार की सबसे बड़ी साधना है। साधु संतों से दूर मत जाना और आडंबरों के पास मत जाना। यदि समाज के मुखिया ही आडंबरों में पड़ गए तो सामान्य लोगों का क्या होगा। रंग बिरंगे धागों में कुछ नहीं,यदि बांध सको तो श्रद्धा की डोर बांध लो।जगत में क्या है उसे मत देखों, जगत में निज आत्मा की स्वतंत्रता को देखों। अपने परिणामों को ऐसे संभाल कर रखों जैसे घर में शक्कर का डिब्बा रखते हो। जगत में बहुत आडंबर है, सबको देखों ,जानों लेकिन अपने आप को उस शक्कर के डिब्बे के जैसे पैक करके रखो उसमें चींटी न घुस पाए। वर्तमान युग प्रचार का है, विचारों से प्रभावित मत होना,आचरण को देखकर प्रभावित होना। चारित्र को देखकर प्रभावित होना।

सावन के पहले सोमवार पर जल चढ़ाने शिवालयों में उमड़ी भीड़

श्रीकंचपथ न्यूज

कोरबा। सावन के पहले सोमवार को जलाभिषेक करने और पूजाअर्चना के लिए शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। आज सुबह से ही श्रद्धालुगण शिव मंदिरों में पहुंचे और विधि विधान से पूजा अर्चना कर मनोवांछित फल की कामना की। कई श्रद्धालु कांवर में जल लेकर भी पहुंचे। इस दौरान ऊं नमरू शिवायए हर हर महादेवए बोल बम के जयकारे से मंदिर परिसर गूंजता रहा।

सावन का प्रत्येक सोमवार शिवभक्तों के लिए खास माने जाते हैं। इसलिए भक्तों को इसका विशेष इंतजार रहता है। इस दिन शिवभक्त व्रत रखते हैं और भगवान भोले शंकर का विधि पूर्वक पूजा करने के साथ दूध एवं जल से अभिषेक भी करते हैं। भगवान भोलेनाथ सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता है। धार्मिक मान्यता है कि शिव जी को एक लोटा जल से भी प्रसन्न किया जा सकता है। कनकी स्थित कनकेश्वरधाम में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जल चढ़ाने के लिए उमड़ पड़ी। सर्वमंगला मंदिर के सामने स्थित हसदेव नदी एवं बांयी तट नहर से जल भरकर कांवरिया यहां पहुंचे और जल चढ़ाने के लिए लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। नंबर आते ही कांवरियों ने जल चढ़ाकर कनकेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की यहां सुबह से ही भक्तों का कतार लग गया था।

मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मंदिर के गेट खोल दिए गए थे। पाली के एतिहासिक शिव मंदिर में भी भक्तों की कतार सुबह से लगी हुई है। जो जल व पंचामृत से अभिषेक का विशेष पूजा अर्चना कर रहे है। कोरबा शहर स्थित सर्वमंगला के शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी पूजा अर्चना के लिए भक्तों की लाईन लगी हुई है।

शत प्रतिशत ग्राम पंचायतों में गोधन न्याय योजना का सक्रिय रूप से संचालन करें-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने आज जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना गोधन न्याय योजना के क्रियान्वयन और संचालन की विस्तार से विकासखंडवार समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे जिम्मेदारी पूर्वक योजना का क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि अपने-अपने जनपद के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में गौठान स्वीकृत कर योजना का संचालन करें। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। योजना का बेहतर संचालन होने से ग्रामीण स्तर पर महिला समूह को स्वावलंबी बनाने की राह प्रशस्त होगा।

उन्होंने कहा कि इसके जरिए अनेक रूप में रोजगार का सृजन हो रहा है। इससे समृद्ध गांव समृद्ध महिला और समृद्ध छत्तीसगढ़ के सपने को साकार करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि योजना का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित करें। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में अब तक गौठान का निर्माण नहीं हुआ है वहां अविलंब गौठान निर्माण के लिए प्रस्ताव भेज कर स्वीकृत कराएं। नए गौठान के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहां नए गौठान बनाए जा रहे हैं उसका स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शुभारंभ कर गोबर खरीदी से लेकर अन्य सभी गतिविधियां का संचालन करें ।

कलेक्टर ने कहा कि धरातल पर योजना का पूर्ण रूप से क्रियान्वयन स्पष्ट रूप से दिखनी चाहिए। कलेक्टर ने जनपदवार मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से ग्राम पंचायतों की संख्या, वर्तमान में से संचालित गौठानों की संख्या, गौठान विहीन ग्राम पंचायत संचालित गौठान में गोबर खरीदी के साथ ही यहां महिला समूहों के द्वारा की जा रही आजीविका गतिविधियों की विस्तार पूर्वक एक-एक कर समीक्षा की। कलेक्टर ने जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी को गौठान संचालन की गतिविधियां और नियमित मॉनिटरिंग के लिए जिला पंचायत में कंट्रोल रूम की स्थापना करने कहा। कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रतिदिन गौठान योजना अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग हो सकेगी। कलेक्टर ने कहा कि गौठान योजना अंतर्गत सभी गौठान में बहुयामी आजीविका गतिविधियों का संचालन होनी चाहिए। उन्होंने गौठानों में सामुदायिक बाड़ी, मुर्गीपालन, बकरीपालन बतखपालन, सब्जी उत्पादन के लिए कार्य योजना निर्धारित करने कहा। उन्होंने कहा कि महिला समूह को एक से अधिक गतिविधियों से जोड़कर नियमित आय का स्त्रोत का सृजन करें। इसके लिए महिला समूह को जरूरी और आवश्यक प्रशिक्षण देने भी कहा। कलेक्टर ने सभी गौठानों में पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी गौठानों में अच्छी गुणवत्ता के पौधारोपण अनिवार्य रूप से करें। पौधारोपण होने से जहां पशुओं के लिए छाया की व्यवस्था होगी वहीं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देने में मदद मिलेगा। इसके लिए जिले में सभी गौठानों में वृक्षारोपण करने के लिए 14 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बरसात के मद्देनजर अविलंब सभी गौठानों में वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह जिले के सभी गौठानों में नेपियर घास लगाए जाने के लक्ष्य की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक जनपद में 1 -1 लाख नेपियर लगाया जाए। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र ही पूर्ण कर लेने कहा है।

कलेक्टर ने कहा कि सभी गौठानों में नियमित रूप से गोबर की खरीदी होनी चाहिए। इसी प्रकार गौठानों में कंपोस्ट खाद निर्माण के लिए कार्य भी नियमित रूप से जारी रखने कहा है। वर्मी कंपोस्ट खाद की बिक्री के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने और इससे इसके उपयोग से होने वाले लाभ के लिए किसानों को प्रेरित करने भी कहा है। महिला समूह के उत्पादन को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए सी-मार्ट के माध्यम से विक्रय करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि महिला समूह के उत्पादन को सी-मार्ट के माध्यम से विक्रय करने से उन्हें अच्छी आमदनी कमाने का प्लेटफार्म मिलेगा।

इसके लिए उन्होंने कहा कि आने वाला समय में महिला समूहों के लिए बिहान मेला का आयोजन किया जाएगा। बिहान मेला के माध्यम से महिला समूह अन्य समूहों के उत्पाद और निर्माण से रूबरू होंगे और उसके उत्पाद के अनुसार निर्माण करने की प्रेरणा भी उन्हें मिलेगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह ठाकुर, उप संचालक कृषि जीएस धुर्वे उपस्थित थे। वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए सभी जनपद पंचायतों के सीईओ जुड़े रहे।

कृषि संबंधित प्रशिक्षण के लिए कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में हुआ रावे कार्यक्रम का शुभारंभ

श्रीकंचपथ न्यूज

रायगढ़। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र रायगढ़ में गत दिवस बीएससी (कृषि) चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए कृषि संबंधित प्रशिक्षण के लिए रावे कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शैक्षणिक प्रभारी डॉ.कांत सांवरगांवकर के उद्बोधन के साथ शुरू हुआ जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया की रावे के अंतर्गत वो किसानों से कृषि संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और किसानों को वो कृषि की उन्नत तकनीक से अवगत करा सकते हैं। एनएसएस प्रभारी गंगा राम राठिया ने रावे के महत्व के ऊपर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को पूरी मेहनत के साथ इसे करने को कहा।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.ए.के.सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया की रावे कार्यक्रम के तहत विद्यार्थीगण किसानों से अपने अनुभव कार्य एवं तकनीक को साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि अगर विद्यार्थी रावे को प्रायोगिक रूप से निष्ठापूर्वक करें तो इससे उनको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। कार्यक्रम के अगले वक्ता के रूप में डॉ.रोशनी भगत ने विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र पर कार्य करके उससे ज्यादा से ज्यादा सीखने के लिए प्रेरित किया। उद्यानिकी विज्ञान की वैज्ञानिक डॉ.सरिता अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को पौधरोपण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से करने पर बल दिया। रावे प्रभारी संदीप पैंकरा ने रावे के बारे में छात्र-छात्राओं से विस्तार से बताते हुए कहा कि रावे कार्यक्रम के लिए समीपस्थ गांव संबलपुरी को चुना गया है। चतुर्थ वर्ष के 45 विद्यार्थी पूरे सेमेस्टर भर विभिन्न विषयों की तकनीकी कार्य साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी महाविद्यालय के अलग-अलग विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शनुसार कृषि के विभिन्न विषयों के नवीन तकनीक को सीख सकते हैं। महाविद्यालय के एलपीएम सहायक प्राध्यापक डॉ.ब्रजेश पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की रावे कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें डेरी, मछलीपालन और मुर्गी फार्म का भ्रमण करवाया जाएगा और उनसे संबंधित समस्या और उसका निदान बताया जाएगा। महाविद्यालय के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी सुनील कुमार गौतम ने विद्यार्थियों को रावे के दौरान सही सूचनाओं को संकलित कर रावे रिपोर्ट बनाने के लिए आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से इस बात पर विशेष जोर दिया की पूर्व में जो रावे रिपोर्ट पुस्तकालय में जमा हैं उनकी नकल किए बिना जो मूल कार्य वो इस सत्र के रावे में कर रहें है उनकी रिपोर्ट निष्ठापूर्वक तैयार करें।

जिले के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में भी 15 दिनों में होगा हमर लैब शुरू

खरसिया के सिविल अस्पताल में शुरू होने जा रहा हमर लैब

श्रीकंचपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ शासन हमर लैब के नाम से सरकारी पैथालॉजी लैब शुरू करने जा रही हैं, जिसके अंतर्गत जिला अस्पतालों की लैब को ही हमर लैब में डेवलप किया जा रहा है, ताकि वहां सभी तरह की जांच की जा सके। इसके लिए जरूरी व एडवांस मशीनें लगाई जाएंगी। जिसके फलस्वरूप खून एवं पेशाब संबंधी समस्त जांच नि:शुल्क एवं न्यूनतम दर में उपलब्ध कराया जाएगा। इसका फायदा ये होगा कि ग्रामीण लोगों को भी जरूरी जांच के लिए शहर नहीं आना पड़ेगा।

रायगढ़ जिला अंतर्गत समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सिविल अस्पतालों में हमर लैब की स्थापना की जा रही है जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के उपकरणों जैसे एचबीएआईसी, बायोकैमेस्ट्री एनालाइजर, सीबीसी, यूरिन एनालाइजर, इलेक्ट्रोफोरेसिस मशीन, ट्रू-नाट मशीन, इएसआर एनालाइजर इत्यादि की स्थापना की जाएगी।

प्रथम चरण में खरसिया के सिविल अस्पताल में हमर लैब का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा हमर लैब के माध्यम से समस्त प्रकार के जांच सुविधा प्रदाय की जाएगी। आगामी 15 दिनों के अंदर अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में हमर लैब की सुविधा प्रारंभ कर दी जाएगी। जहां मरीज अपने लीवर, किडनी, रक्त अल्पता लिपिड प्रोफाइल तथा पेशाब संबंधी जांच करा सकते है।

पीएचसी, सीएचसी से लेकर जिला व मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में बिना लैब या डायग्नोस्टिक सेंटर के बीमारी का इलाज संभव नहीं है। उदाहरण के लिए किसी मरीज को बुखार है तो मलेरिया, टाइफाइड, डेंगू या पीलिया की जांच कराई जाती है। ताकि रिपोर्ट से पता चल सके कि मरीज की बीमारी क्या है? रिपोर्ट के आधार पर ही डॉक्टर मरीज का इलाज शुरू करते हैं। जिससे मरीजों को जल्द आराम मिले।

जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में हमर लैब खुलने जा रही हैं। इसमें कोई भी व्यक्ति न्यूनतम शुल्क में कई प्रकार के टेस्ट करवा सकेगा। इससे लोगों को विभिन्न प्रकार की जांच में लगने वाले खर्च से राहत मिलेगी।

कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी लोगों की समस्याएं

गरियाबंद। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक सप्ताह सोमवार को आयोजित जनचौपाल में कलेक्टर प्रभात मलिक ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आये 48 लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर आवेदकों को उनकी समस्या के निराकरण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनचौपाल में 48 नागरिकों ने अपनी समस्या संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। जनचौपाल में ग्राम घुटकुनवापारा के दानीराम, कुलेश्वर ध्रुव, पीताम्बर ने काबिज जमीन का वन अधिकार पत्र दिलाने, ग्राम पंचायत गुरजीभांठा के आवेदकगण ने सरपंच व सचिव के द्वारा बिना कार्य किये भारी मात्रा में भ्रष्टाचार करने, ग्राम अतरमरा के भोजराम सिन्हा ने पशुशेड निर्माण, ग्राम बिन्द्रानवागढ़ के देवराम मरकाम ने उम्र बढ़ाकर फर्जी तरीके से वृद्धा पेंशन पाने वाले के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने, ग्राम कोड़ोहरदी के युवराज ध्रुव ने वन भूमि पट्टा प्रदाय करने, सहा.शिक्षक भर्ती 2019 में विशेष पिछड़ी जनजाति अभ्यर्थी को स्थान देने के संबंध में,ग्राम मैनपुरकला की परमीलाबाई नेताम ने क्षतिग्रस्त नहर के मरम्मत कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किये।

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

Rajesh Yadav 79870-71513, 97557-11120
Shubh Aqua
The Promise of 100% Pure Water
RO Water Purifier
Free Service RO All Brand
Spare Parts, Wholesale Rate, Sales & Service
KENT RO SALES & SERVICE
Shop No. - 03, Vinoba Nagar, Near, Surya Mall, Junwani Raod, Bhilai

MISCHIEF Men's Store
UPTO 70% OFF
Complete Multibrand Store
Mo.-7999112303
mischieforignals
Shop NO. 7A/5, Ekta Tower Dakshin, Gangotri, Supela, Bhilai (C.G.)

राजहंस राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार भेजा गया जेल

भाटापारा (ए)। जानलेवा हमला के आरोपी आरोपी अजय ऊर्फ गोलू ठाकुर पिता विजय सिंह ठाकुर (21) मुंशी ईस्माईल वार्ड नहरपार को गिरफ्तार किया गया। मामले में 17 जुलाई को संतोष ऊर्फ गुडवा ठाकुर पिता ननकू साकिन मुंसी इस्माइल वार्ड अपने मौसी के घर बाजू में रोड किनारे आकर बैठा था उसी समय अजय ऊर्फ गोलू ठाकुर आया और बोला तू क्यों मेरे घर बार आता है कहकर विवाद करने लगा और जमीन में पटक दिया और आज तूझे जान से मार डालूंगा कहते हुए जान से मारने की नीयत से अपने हाथ में पहने लोहे के मोटा कड़े से सिर पर प्राणघातक हमला कर सिर में मारा। इससे गंभीर चोट आई थी।

विस्फोटक ले जाते हुए तीन नक्सली सहयोगी गिरफ्तार

बीजापुर (ए)। थाना बासागुड़ा, सीआरपीएफ एवं कोबरा की संयुक्त टीम सोमवार को एरिया डॉमिनेशन पर पुतकेल, पोलमपल्ली की ओर निकली थी। इस दौरान पुतकेल व तिम्मापुर के जंगल में संयुक्त टीम को देखकर 2 संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे जिन्हें पुलिस पार्टी ने घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने अपना नाम तिमापुर निवासी एरोला संतोष और एरोला मल्लैया बताया। थैले से इलेक्ट्रिक वायर, 7 जेलेटिन, 4 कोर्डेक्स वायर बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उसूर एलओएस कमांडर गंगाधर के बताए अनुसार विस्फोटक सामग्री उन्हें पहुंचाने जा रहे थे। दोनों नक्सली सहयोगियों के विरुद्ध बासागुड़ा थाने में अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया।

बाइक से विस्फोटक ले जाते 1 गिरफ्तार

सोमवार को सीआरपीएफ168 द्वारा मुरदंडा कैम्प के पास एक व्यक्ति को बाइक में विस्फोटक सामग्री बासागुड़ा की ओर ले जाते हुए पकड़ा गया। पूछताछ में अपना नाम चिलकापल्ली निवासी देवा नूपो होना बताया।

तेज रफ्तार कार चालक ने दो मोटरसाइकिल सवार युवकों को लिया चपेट में

बिलासपुर। तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पहले एक मोटर साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दिया। भागने के प्रयास में सामने दूसरा मोटर साइकिल सवार युवक को भी अपने चपेट में ले लिया। हादसे से दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हैं। डायल 112 की टीम ने पीछा कर कार चालक को पकड़कर कोनी पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद पुलिस ने कार चालक को छोड़ दिया। रविवार की दोपहर कोनी मार्ग में सफेद रंग की कार का चालक तेज रफ्तार से चलाते हुए आ रहा था। कोनी थाने के सामने चालक ने लापरवाही पूर्वक एक मोटर साइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। इससे युवक मोटरसाइकिल समेत गिर गया। कार चालक पकड़े जाने के डर से रफ्तार बढ़ाकर भागने लगा। कुछ दूर जाने के बाद फिर एक मोटर साइकिल सवार युवक को चपेट में ले लिया।

सब्बल से पीट-पीट कर चाची को मार डाला

गुस्साए परिजनों का थाने में हंगामा, पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर किया पथराव

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में भतीजे ने अपनी विधवा चाची की हत्या कर दी। युवक ने सब्बल से महिला के पेट और सिर पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि आरोपी ने पहले भी मशाल लेकर घर जलाने का प्रयास किया था, लेकिन शिकायत के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। नाराज परिजनों ने थाने में जमकर हंगामा किया। वारदात रतनपुर थाने की है।

रतनपुर के करैहापारा में रहने वाली सुरेखा पाटले (30) अपने पति जगदीश पाटले की मौत के बाद रोजी-मजदूरी करती थी और तीन बच्चों के साथ रहती थी। सोमवार शाम करीब 6 बजे सुरेखा पानी भरने के लिए मोहल्ले के सार्वजनिक नल के पास गई थी। उसी समय उसका भतीजा मुकेश उर्फ चिंटू पाटले (24) सब्बल लेकर पहुंचा। उसने महिला के सिर और पेट में ताबड़तोड़ हमला कर दिया। महिला खून से लथपथ होकर जमीन में गिर गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हमला करते देख मोहल्ले वालों ने मचाया शोर

आसपास के लोगों ने मुकेश को हमला करते देखा, तो उन्होंने शोर मचाया, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। वारदात के बाद आरोपी मुकेश सब्बल फेंककर वहां से भाग निकला। लोगों ने इसकी सूचना महिला के परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर टीआई यूएन शांत कुमार साहू और उनकी टीम पहुंच गई। पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा कर उसे अस्पताल भेज दिया। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपी मुकेश की तलाश में जुट गई।

परिजन बोले- पुलिस की लापरवाही से हुई हत्या

हालांकि पुलिस ने किसी तरह परिजनों को समझाकर शांत किया। परिजनों ने बताया कि मुकेश आए दिन विवाद कर मारपीट करता था। वह मशाल लेकर महिला के घर को जलाने भी पहुंचा था। महिला और परिजनों ने चार-पांच बार थाने में शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई। यही वजह है कि आरोपी मुकेश का हौसला बढ़ गया और उसने अपनी चाची की हत्या कर दी। परिजन इस वारदात के लिए पुलिस को दोषी ठहराते रहे।

तीन बच्चों के सिर से उठा मां का साया

ढाई साल पहले मृतिका सुरेखा पाटले के पति जगदीश की मौत हो गई थी। वह अपने तीन मासूम बच्चों की सहारा थी। महिला की मौत के बाद अब तीनों बच्चों के सिर से मां का छाया भी छीन गया है। उनके बच्चे 10 साल, 6 साल और ढाई साल के हैं।

शव उठाने से नाराज परिजनों का थाने में हंगामा

शव उठाने को लेकर परिजन भड़क गए। थाने पहुंच कर हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस इतनी तत्परता पहले दिखाती तो उनकी बहू की हत्या नहीं होती। पुलिस देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर थाने पहुंची तो परिजनों का आक्रोश भड़क गया। उन्होंने आरोपी की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान पुलिसकर्मियों से भी धक्कामुक्की हुई। पुलिस ने उन्हें नियंत्रित करने के लिए लाठियां लहराई, तो उन्होंने पथराव कर दिया। इसके चलते स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

जतमई में डूबा युवक, 16 घंटे में मिला शव

गरियाबंद (ए)। जिले के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल जतमई धाम वाटरफॉल में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। शाम को यहां नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई है। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंचे हुए थे। वहीं तालेसर ग्राम के पहुंचे 5 युवक नीचे के रास्ते से झरने के नीचे बने कुंड तक पहुच गये। पांचों युवक में से एक युवक तूफान पिता प्रेम (18) झरने के नीचे बने कुंड में छलांग लगा दी। जिसके बाद युवक झरने के नीचे बने गहरे पानी के कुंड से वापस नहीं निकला।

युवक के साथियों ने बहुत देर तक पतासाजी की लेकिन पता नहीं चला, जिसके बाद युवकों ने इसकी जानकारी मंदिर समिति के लोगों को दी। समिति बचाव कार्य में जुट गई। इधर युवक के डूबने से हड़कंप मच गया। पुलिस और गरियाबंद से गोताखोर पहुंचे और युवक की खोज में जुट गए। झरना के नीचे बने कुंड में पानी ज्यादा होने की वजह से देर रात युवक का शव नहीं मिल पाया था। सोमवार सुबह फिर से युवक की खोज में गोताखोर लगे हुए। करीब 8 बजे शव मिला।

सिर के साथ हाथ-पैर भी काट ले गए

टुकड़ों में मिली महिला की सिर कटी लाश पेट में घुसी थी लोहे की रॉड, शिनाख्त नहीं

राजनांदगांव (ए)। एक महिला की वीभत्स तरीके से हत्या कर दी गई। उसका टुकड़ों में कटा शव सोमवार को राजनांदगांव में एक तालाब से मिला। महिला के सिर के साथ ही उसके हाथ-पैर भी काट दिए गए थे। पेट में एक लोहे की रॉड घुसी हुई थी। ऐसे में आशंका है कि हत्या के बाद महिला के शव के टुकड़े किए गए और इसके बाद धड़ को तालाब में फेंका गया। महिला की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। मामला अंबागढ़ चौकी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गुंडरदेही तालाब में सोमवार को ग्रामीणोंने एक महिला का शव देखा। सिर कटी लाश देखने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस पहुंची और शव को बाहर निकाला गया। पता चला कि महिला के पेट में लोहे की रॉड आर-पार घुसी हुई थी। जबकि सिर के साथ ही उसके हाथ-पैर भी गायब थे। इसके बाद मौके पर एसपी, एडिशनल एसपी सहित अन्य अफसर भी पहुंच गए। पुलिस ने गोताखोरों को भी बुला लिया।

गोताखोरों की टीम शव के टुकड़े तलाश करती रही

गोताखोरों की टीम काफी देर तक शव के टुकड़ों की तलाश करती रही, लेकिन उनका पता नहीं चला। शाम होने के चलते तलाश रोक दी गई है। पुलिस ने महिला के धड़ को कब्जे में लेकर मॉर्चुरी में रखवा दिया है। उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल महिला के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। यह भी आशंका है कि कहीं और हत्या करने के बाद उसे वहां तालाब में लाकर फेंका गया है।

दहेज प्रताड़ना को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना पति और ससुराल वालों के साथ क्रूरता

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि दहेज प्रताड़ना को पत्नी या उनके स्वजनों के द्वारा हथियार के रूप में इस्तेमाल करना पति और ससुराल वालों के साथ क्रूरता है। इस तरह के प्रकरण में वैवाहिक संबंध टूटन के बाद जोड़ना संभव नहीं है। दोनों परिवार के बीच कटुता उभरकर सामने आ जाता है। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता चिकित्सक को राहत प्रदान करते हुए तलाक का आदेश दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अपनी शिक्षिका पत्नी को गुजारा भत्ता के रूप में हर महीने 15 हजार र्स्पये देने का निर्देश भी दिया है।

सरगुजा जिले के चांदनी थाना क्षेत्र निवासी महिला की शादी वर्ष 1993 में डा रामकेश्वर सिंह से हुई थी। महिला कोरबा जिले में एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। डॉ रामकेश्वर कोंडागांव के मर्दापाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ हैं। विवाह के एक साल बाद आपसी मनमुटाव के चलते पति पत्नी में विवाद हुआ और दोनों अलग रहने लगे। तीन वर्ष बाद डॉ. सिंह ने परिवार न्यायालय में परिवाद दायर करते हुए तलाक की मांग की। चिकित्सक पति द्वारा परिवार न्यायालय में तलाक का परिवाद पेश करने की जानकारी होते ही पत्नी ने चांदनी थाने में पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की शिकायत करते हुए एफआईआर दर्ज करा दिया।

पुलिस ने भादवि की धारा 498 ए के तहत चिकित्सक पति के अलावा सास, ससुर, देवर व ननद के खिलाफ जुर्म दर्ज करा लिया। महिला ने अपने पति व ससुराल वालों पर दहेज के रूप में एक लाख रुपये की मांग करने और ना देने पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाई थी। विचारण न्यायालय में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पत्नी आरोप को साबित नहीं कर पाई। मामले की सुनवाई के बाद विचारण न्यायालय ने चिकित्सक व उनके स्वजन को आरोप से मुक्त कर दिया।

परिवार न्यायालय ने खारिज किया परिवाद

इसी बीच चिकित्सक के परिवाद पर सुनवाई करते हुए परिवार न्यायालय ने तलाक की अर्जी को खारिज कर दिया। परिवार न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए चिकित्सक ने अपने वकील के जरिए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दायर कर तलाक की मांग की।

तेंदुए की खाल के साथ 2 गिरफ्तार: ओडिशा से बेचने के लिए लाए थे, कमीशन एजेंट के रूप में मिलते थे 50-50 हजार रुपए

राजिम (ए)। गरियाबंद में पुलिस ने तेंदुए की खाल के साथ तस्कर के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपी शिकारियों के लिए कमीशन एजेंट के रूप में काम करते थे। खाल बेचने के बदले दोनों को 50-50 हजार रुपए दिए जाते। बरामद खाल की कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है। अब पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर तेंदुए की शिकारी की तलाश में है। मामला छुरा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने बताया कि सूचना मिली कि ग्राम राजपुर से दो युवक बाइक पर तेंदुए की खाल बेचने खरखरा की ओर निकले हैं। इस पर टीम को अलर्ट किया गया और खरखरा बांध तिराहे के पास सड़क की घेराबंदी की गई। तभी दोनों युवक आते दिखाई दिए। खरखरा के पास पुलिस देख भागने का प्रयास करने लगे। इस पर पुलिस ने दोनों को दौड़ाकर दबोच लिया। तलाशी के दौरान बाइक की डिक्की से पुलिस को एक बोरी में तेंदुए की खाल बरामद हुई।

शिकारियों के साथ तेंदुए की खाल बेचने में मदद करते

पुलिस ने युवकों को भी गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए दोनों युवक पीलूराम ठाकुर (28) व अगनुराम सिंह ठाकुर (21) छुरा ब्लाक के ही ग्राम राजपुर के रहने वाले हैं। दोनों ओडिशा के एक शिकारी के पास से तेंदुए की खाल बेचने के लिए लाए थे। ये शिकारी के साथ मिलकर तेंदुए की खाल बेचने में मदद करते थे। फिलहाल आरोपियों के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है।

बड़ा तस्कर आया था डिलीवरी लेने

सूत्रों के अनुसार पकड़े गए दोनों तस्कर किसी बड़े तस्कर के लिए कमीशन एजेंट के रूप में काम करते हैं। उन्हें 50-50 हजार रुपए कमीशन मिलता है। इसके बदले में वे खाल को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते हैं। फिर चैनल से जुड़ा बड़ा तस्कर इसे कहीं भेजकर उसका सौदा करता है। बताया जा रहा है कि बड़ा तस्कर खाल की डिलीवरी लेने के लिए आसपास के किसी ब्लॉक में आया था। तेंदुए की खाल के सिर से पूंछ तक की लंबाई 77 इंच, गर्दन की लंबाई 10 इंच एवं बीच भाग की चौडाई 19 इंच होना पाया गया।

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

राष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में सीएसपीडीसीएल के राज वासनिक ने कास्य पदक जीता

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र में पदस्थ श्री राज वासनिक ने दिनांक 05 से 10 जुलाई 2022 तक हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में कास्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ राज्य एवं पॉवर कंपनी का नाम रोषन किया है। उन्होंने 105 वजन वर्ग समूह में खेलते हुए स्क्वॉट् में 230 कि.ग्रा. बेंच प्रेस में, 135 कि.ग्रा. और डेडलिफ्ट में 200 कि.ग्रा. सहित कुल 565 कि.ग्रा. वजन उठाकर कांस्य पदक जीता है। दुर्ग लौटने पर मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एच.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर.बांधे, वरिश्ठ कल्याण अधिकारी श्री डी.के.डूम्भरे एवं कार्यपालन अभियंता श्रीश्रीमती ममता कष्यप तथा श्रीश्रीमती सनीली चौहान द्वारा सम्मानित किया गया। श्री वासनिक उतई वितरण केंद्र में तकनीषियन वितरण के पद पर कार्यरत है। अधिकारियों ने श्री वासनिक की उज्ज्वल भविश्य की कामना करते हुए षुभकामनाएं प्रेशित की।

गन्दगी फैलाए जाने पर आयुक्त ने भैस खटाल के संचालक पर लगाया 1 हज़ार का जुर्माना

दुर्ग। नगर निगम प्रशासन ने खटाल संचालकों को सख्त हिदायत दे दी है। जल्द से जल्द शहर से बाहर गोकुल नगर में शिप्ट करने को कहा है।निगमायुक्त प्रकाश सर्वे के आज निरीक्षण के दौरान वार्ड 43 बल्ला डेयरी व नरेंद्र डेयरी गंदगी फैलाने पर गैस खटाल के संचालक को 500-500 रुपए का अर्थदंड किया गया।इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं स्वास्थ्य विभाग अमला मौजूद थे।निगमायुक्त ने भैंस खटाल वालों को गोकुल नगर मे आवंटन होने के उपरांत भी गोकुल नगर शिफ्ट नहीं हुए हैं,उन्होंने बाजार अधिकारी को उक्त प्रतिष्ठान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने एवं शहर में गैस खटालो को गोकुल नगर में शिप्ट करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि खासकर स्कूल,कालोनी,अस्पतल तथा भीड़ वाली जगहों पर संचालित खटाल चलाने वालों को और नोटिस जारी करें।आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने खटाल संचालक से दो टूक शब्दों में कहा स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता को बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है।

विधायक देवेन्द्र यादव ने महादेव की पूजा-अर्चना

भिलाईवासियों की सुख शांति समृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सावन सोमवार के पावन अवसर पर भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव शिवमंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना की। बाबा भोलेनाथ से हाथ जोड़कर भिलाई वासियों के हित और विकास की कामना करने के साथ ही देवों के देव महादेव से हाथ जोड़कर प्रार्थना की कि बाबा सभी पर कृपा बनाएं रखे। सभी के जीवन में सुख-शांति, समृद्धि हो और सब को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करें।

आज सावन सोमवार के पावन पर्व की शुरूआत हो गई है। हर साल भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव इस सावन सोमवार के पर्व को बहुत धूमधाम से मनाएंते है। बाबा महाकाल का आराधना करते हैं और शहर के विभिन्न शिवालयों में जाकर पूजाअर्चना करते हैं। सावन के इस पहले सोमवार की शुरूआत विधायक देवेंद्र यादव ने बाबा भोलेनाथ की आराधना से शुरू की। सुबह 7 बजे विधायक श्री यादव सबसे पहले हुडको स्थिति मां जगदम्बा मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने भगवान शिव की आराधना की। शिवलिंग पर दूध, बेल पत्र, फल-फूल आदि अर्पित किए। इसके बाद ओम नमः शिवाय की जाप के साथ पूजा आरती की। 108 बार महामृत्युंजय का जाम किया। पूजा अर्चना के बाद मंदिर परिसर में स्थिति बाबा भोले नाथ के सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद विधायक यादव सेक्टर 9 शिव मंदिर पहुंचे। यहां भी पूजारियों द्वारा मंत्रोंचार कर भव्य पूजा आरती कराया गया। यहां रूद्राभिषेक और महामृत्यु मंत्र का 108 बार जाप के साथ महाआरती की गई। शिवलिंग पर 101 बार जल चढ़ाया गया। इसके बाद सेक्टर 8 शिवमंदिर पहुंचे जहां 101 बेलपत्र का हार बाबा भोलेनाथ को पहनाया गया। और फिर अंत में सेक्टर 6 ए मार्केट शिवमंदिर पहुंचे। सभी जगह पूजा अर्चना की गई। शिवलिंग पर फूल आदि अर्पित किए गए। इसके बाद भक्तों को अपने हाथ से प्रसाद का वितरण किया।

बरसते पानी में शिवनाथ नदी महमरा एनीकट का जायजा लेने पहुंचे आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लगातार हो रही बारिश से शिवनाथ नदी महमरा एनीकेट उफान पर है। शहर में इन दिनों लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है जिसकी वजह से अधिकतर नदी नाले उफान पर है। सोमवार अलसुबह बरसते पानी में आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने शिवनाथ नदी महमरा एनीकट पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

उफनते शिवनाथ एनीकट के आस पास उपस्थित लोगो को देखकर आयुक्त ने समझाइस दी की शिवनाथ नदी का पानी एनीकट के 3 फिट ऊपर बह रहा है जो खतरा के निशान पर है। इस कारण लोगो को यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी तरह की लापरवाही ना बरते। एनीकट पार न करें साथ ही उन्होंने तट पर नहाने वाले को भी वहां से हटाने को कहा। प्रकृति के नजारे देखने शहर के कई लोग पर्यटन स्थल पर लोग पहुंच रहे हैं आयुक्त ने सभी लोगो को लापरवाही न करने की समझाइस के साथ चेतावनी दी। आयुक्त ने लोगो से कहा कि प्रकृति का लुत्फ दूर से उठाए लेकिन नजदीक जाकर लापरवाही ना बरतें। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं स्वास्थ्य विभाग अमला के साथ शिवनाथ नदी रोड वार्ड 35 का भ्रमण किया और समस्याओं से अवगत हुए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पानी निकासी के लिए कच्ची नाली खुदाई करवाये ताकि जलभराव की स्थिति पैदा न हो। भ्रमण के दौरान आयुक्त ने कहा शिवनाथ नदी क्षेत्र में कही भी जल भराव की स्थिति नही है। बरसात के कारण नाले में जल भराव का भी निरीक्षण किया एवं साफ-सफाई व्यवस्था नियमित रूप से करवाने के लिए निर्देश दिए।

पार्षद ने निगम परिसर में 100 हितग्राहियों को बाटे राशन कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम।दुर्ग शहर विधायक अरुण वोरा के मंशानुरूप एवं महापौर धीरज बाकलीवाल के निर्देश पर आज सोमवार को निगम परिसर में पार्षद श्रीमती मनी गीते एवं उपायुक्त मोनेद्र साहू द्वारा राशन कार्ड वितरण किया गया। वार्ड क्रमांक 42 कसारीडीह पश्चिम के लगभग 100 हितग्राहियो को आज एपीएल,बीपीएल समेत अंत्योदय राशन कार्ड का वितरण किया गया।इस दौरान पूर्व पार्षद प्रकाश गीते, प्रभारी राजस्व अधिकारी नारायण यादव,राशन कार्ड प्रभारी योगेश सूरे,खेमलता ठाकुर,मनोज मन्हारे,रविन्द्र मिश्रा,अनिल मन्हारे मौजूद थे।इनको मिला राशन कार्ड सीमा यादव,आरती साहू,अर्चना श्रीवास्तव, सतवंती साहू,रागिनी सोनी,साहिबा बेगम,ललित यादव,जमुना साहू,नीलू साहू,पूनम साहू,नीतू साहू के अलावा ऋतु यादव अन्य हितग्राही राशन कार्ड लेने पहुँचे थे।

व्यवसाय में बढ़ोतरी के लिए महापौर नीरज पाल ने समूह की महिलाओं को दिया लाखो का चेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक को शहर से पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिए बर्तन बैंक की स्थापना भिलाई शहर में की जा रही है। आज बर्तन बैंक की स्थापना की शुरुआत 12 वार्डो से महापौर नीरज पाल ने की है, 5 बर्तन बैंक पूर्व में खोले जा चुके है। महापौर नीरज पाल ने आज स्व सहायता समूह की महिलाओं को उनके व्यवसाय में बढ़ोतरी के लिए लाखों का चेक प्रदाय किया।

चेक प्राप्त करने वाले स्व सहायता समूह की महिलाओं में मान्या स्व सहायता समूह शास्त्री नगर को 125000, सिया स्व सहायता समूह नेहरू नगर को 100000, आस्था स्व सहायता समूह के कैंप 1 को 100000, यशोदा स्व सहायता समूह अंबेडकरनगर को 190000, सना स्व सहायता समूह पावर हाउस को 210000, जय मां स्व सहायता समूह कांट्रैक्टर कॉलोनी को 380000 एवं अनीस रजा स्व सहायता समूह खुर्सीपार को 150000 का चेक बैंक लिंकेज लोन के तहत प्रदान किया गया।

आवर्ती निधि बैंक लिंकेज के तहत सक्रिय समूह की महिलाओं को लोन दिया जाता है, व्यवसाय आरंभ करने के लिए दिए गए लोन को चुकाने के बाद इस प्रकार के लोन महिला समूह को प्रदान किए जाते हैं। इधर महिलाओं को आज बर्तन बैंक की स्थापना के लिए निगम ने बर्तन दिए। बर्तनों के साथ-साथ किराए पर देने के लिए कढ़ाई, मग, प्लेट, थाली, चम्मच, गिलास, कटोरा, चूल्हा, गंजी, कुर्सी, गद्दा, चादर, दरी, जार आदि भी कई महिला समूहों के पास उपलब्ध है।

अब इन सामग्रियों को किराए पर देने का कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा। जिससे होने वाले आय से महिलाएं और सशक्त बनेंगी। शहर को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने की दिशा में आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने एक नई पहल की शुरुआत की है।

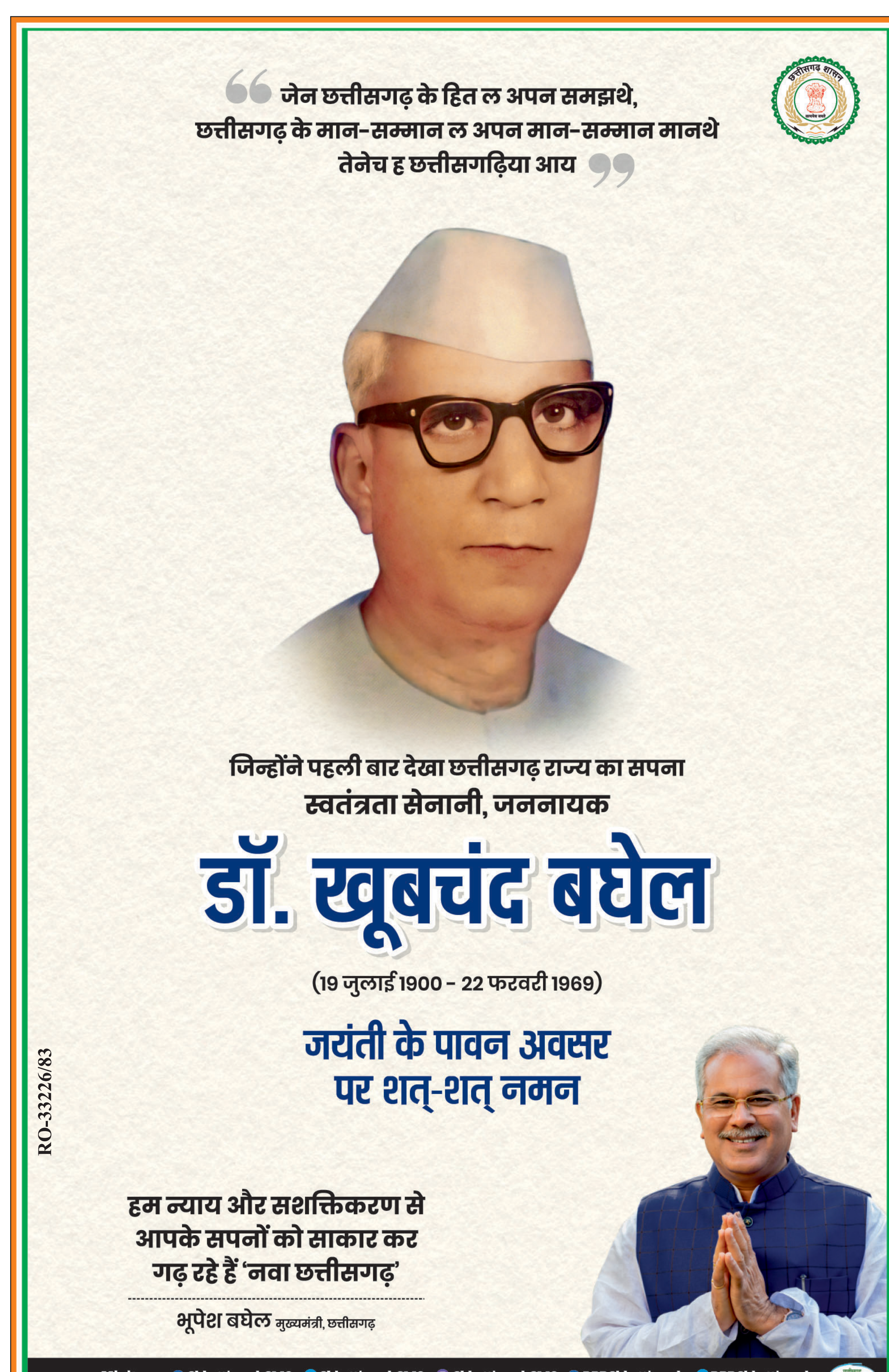

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950